आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं.1 क्षेत्रीय अखबार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 189 | इंदौर, गुरुवार 05 फरवरी, 2026 | फाल्गुन कृष्ण 4 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

देश विदेश

एसआईआर पर ममता ने कहा ईसी बंगाल को निशाना बना रहा

नई दिल्ली/कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन मामले पर सुनवाई की। जहां राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी वकीलों के साथ मौजूद रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग के निशाने पर है। जो काम 2 साल में होना था, उसे 3 महीने में करवाया जा रहा है। सुनवाई के बाद सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि असली लोग चुनावी सूची में बने रहने चाहिए। ममता की याचिका पर बेंच ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी से 9 फरवरी तक जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री ने कोर्ट में पेश होकर अपनी दलीलें रखीं।

जम्मू-कश्मीर में जैश के 2 आतंकियों का एनकाउंटर

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी गुफा में छिपे हुए थे। सेना ने गुफा को ग्रेनेड से विस्फोट कर उड़ा दिया। एनकाउंटर का वीडियो भी सामने आया है। इसके बाद एक आतंकवादी का शव गुफा के बाहर था, जबकि दूसरे आतंकी का शव गुफा के अंदर काफी गहराई में मिला। इस ऑपरेशन में जैस का टॉप कमांडर रुबानी उर्फ अबू माविया भी मारा गया। वो इलाके में कई साल से सक्रिय था। मुठभेड़ मंगलवार को शाम 4 बजे शुरू हुई थी। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के पास से एम4 कार्बाइन, एके-47 असॉल्ट राइफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है।

उपासना सिंह का

सीनियर एक्टर से जमकर हुआ झगड़ा

एक्ट्रेस बोलीं- साथी कलाकार को पीटा, बदतमीजी की, इवेंट में हुई छीना-झपटी, वीडियो वायरल

मुंबई। कपिल शर्मा शो में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस उपासना सिंह ने किस देश में है मेरा दिल और कसौटी जिंदगी की जैसे शोज में नजर आ चुके सीनियर एक्टर दीपक काजिर पर बदतमीजी और मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। ये मामला एक इवेंट से जुड़ा है, जहां एक्टर दीपक काजिर और एक्ट्रेस उपासना की जमकर बहस हुई। बहस इतनी बढ़ गई की इवेंट में एक्टर्स के बीच तेज झड़प हो गई। हाल ही में इस झगड़े का एक वीडियो सामने आया है। ये विवाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के एक इवेंट के दौरान हुआ। एक्ट्रेस उपासना सिंह माइक पर भाषण दे रही थीं। उनके साथ सीनियर एक्ट्रेस पूनम ढिल्लन भी मौजूद थीं। वो बात कर ही रही थीं कि तभी सीनियर एक्टर दीपक काजिर ने तेज आवाज में चिल्लाते हुए कहा- मैडम, मैडम एक मिनट। इस पर एक्ट्रेस ने गुस्से में कहा- मैं अभी बोल रही हूं। इस पर एक्टर ने गुस्से में कहा- नहीं आप नहीं बोलेंगी। इसके बाद दीपक काजिर ने वहां मौजूद शख्स को उंगली दिखाते हुए कहा- अभी-अभी दीपक जी ने बहुत गलत बात की है। इसके ठीक बाद दोनों में तीखी बहस हो गई। जब दीपक काजिर ने साथ खड़े शख्स से माइक लिया, तो वहां मौजूद दूसरे शख्स ने उनके हाथ से माइक छीन लिया। इस झड़प के बाद वहां मौजूद लोग दीपक काजिर को शांत करवाते नजर आए।

जहां सस्ता तेल मिलेगा, वहां से लेंगे, हम अपना हित देखेंगे

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते सुधरने लगे हैं। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ अब 18 फीसदी कर दिया है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूस से अब तेल नहीं खरीदेगा। हालांकि, भारत सरकार की ओर से ऐसा दावा नहीं किया गया है। इसके बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या सच में भारत अपने सबसे पुराने पार्टनर रूस से तेल नहीं खरीदेगा? यह भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या डेयरी और कृषि प्रोडक्ट्स अब भारत में इंपोर्ट होंगे? इन सवालों से पर्दा उठ गया है। जी हां, सूत्रों का कहना है कि सरकार ने साफ कर दिया है कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील में भारत अपने हितों से समझौता नहीं करेगा।

टला बड़ा हादसा, आपस में टकराए इंडिगो और एयर इंडिया के विंग्स

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा टल गया। इस हादसे में एयर इंडिया और इंडिगो के विंग्स (पंख) आपस में टकरा गए। घटना उस वक्त हुई जिस समय इंडिगो का विमान लैंड कर-के पार्क हो रहा था। इसी दौरान उसका विंग एयर इंडिया के विमान से टकरा गया। बताया जा रहा है कि एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2732 (मुंबई-कोयंबटूर) टेकऑफ से पहले टैक्सीवे पर पुशबैक की प्रक्रिया में थी, जबकि इंडिगो की फ्लाइट 6ए 791 (हैदराबाद-मुंबई) लैंडिंग के बाद टैक्सी कर रही थी। इसी दौरान दोनों विमानों के विंगटिप (पंखों के सिरे) आपस में टकरा गए। घटना के समय दोनों विमानों में यात्री सवार थे। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी यात्री या क्रू मेंबर घायल नहीं हुआ।

प्रदेश से संसदीय बोर्ड में वरिष्ठ नेता डॉ. सत्यनारायण जटिया सदस्य, धुर्वे राष्ट्रीय सचिव, आर्य अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष हैं

भाजपा सुप्रीमो नवीन की टीम में बढ़ सकता है मप्र का कद

प्रदेश से महिला एवं युवा को भी नई टीम में अच्छे पद मिलने की आस जगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

लोकसभा में प्रदेश से भाजपा को सभी 29 सीटों पर विजय मिली थी। मध्यप्रदेश एक मात्र ऐसा प्रदेश है जहां से लोकसभा में एक भी विपक्षी नहीं हैं। ऐसे में भाजपा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में मध्य प्रदेश का प्रभाव बढ़ने की प्रबल संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। बिहार में हाल ही में हुए चुनाव में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का भी जादू चला था। अभी तक भाजपा सुप्रीमो टीम में मध्य प्रदेश से संसदीय बोर्ड में अनुसूचित जाति के वरिष्ठ नेता डॉ. सत्यनारायण जटिया सदस्य हैं। इसके अलावा ओम प्रकाश धुर्वे राष्ट्रीय सचिव और लाल सिंह आर्य अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष हैं।

नए भाजपा सुप्रीमो नितिन नवीन से पार्टी की सियासत में मध्यप्रदेश को अपने प्रभाव के अनुसार वजूद मिलने की प्रबल संभावना है। एक समय थावरचंद गहलोत और नरेंद्र सिंह तोमर दोनों ही राष्ट्रीय महासचिव थे। ऐसे में माना जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में मध्य प्रदेश का भी प्रभाव बढ़ सकता है।

मध्य प्रदेश हमेशा से ही भाजपा के लिए एक प्रयोगशाला की तरह रहा है। हिंदू महासभा हो या जनसंघ, दोनों की जड़ें मध्य प्रदेश में मजबूत रही हैं। यही कारण है कि भाजपा यहां लंबे समय से सत्ता में काबिज है। संगठन की मजबूती की दूसरी वजह यहां के कुशल संगठनकर्ता भी माने जा सकते हैं। कुशाभाऊ ठाकरे, प्यारेलाल खंडेलवाल और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे दिग्गज मध्य प्रदेश की राजनीति से ही देशभर में लोकप्रिय हुए। भाजपा के लिए सुरक्षित सीटों में शुमार विदिशा लोकसभा सीट तो ऐसी रही कि वहां से अटल बिहारी वाजपेयी और सुषमा स्वराज जैसे नेताओं को भाजपा ने चुनाव लड़वाया। ये ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन में भाजपा कार्यकर्ताओं का दबदबा रहा है।

प्रदेश से लोकसभा में सभी 29 सीट

मध्य प्रदेश एक ऐसा राज्य है जहां से लोकसभा की सभी 29 सीटें 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जीती हैं। अब बड़ी चुनौती इन्हें बरकरार रखने की है। नई सदी में केवल वर्ष 2018 का विधानसभा चुनाव ही ऐसा था, जिसमें भाजपा बहुमत से थोड़ी दूर रह गई थी। अब आने वाले 2028 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के सामने चुनौतियां और बढ़ने वाली हैं। ऐसी स्थिति में भाजपा को संगठन को और अधिक मजबूत करना होगा।

विजयवर्गीय सहित 4 शामिल थे

एक समय पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा की टीम में मध्य प्रदेश से कैलाश विजयवर्गीय सहित चार नेताओं को स्थान मिला था। इस बार भी चार से पांच नेताओं को नितिन नवीन की टीम में स्थान मिलने की संभावना है। इसमें एक या दो महिलाएं भी शामिल हो सकती हैं। इसके साथ ही युवा नेताओं को भी अवसर मिल सकता है। इसके पूर्व जेपी नड्डा की टीम में कैलाश विजयवर्गीय भी राष्ट्रीय महासचिव हुआ करते थे, लेकिन दो वर्ष पूर्व वह राज्य में मंत्री बना दिए गए। पार्टी नेताओं का मानना है कि चूंकि पूर्व में राष्ट्रीय कमेटी में प्रदेश से दो-दो महासचिव एक साथ रहे हैं। ऐसे में क्षेत्रीय स्तर पर संतुलन बनाने एवं भाजपा के वर्तमान वजूद को बनाए रखने के लिए नवीन की टीम में भी मध्यप्रदेश को पूरा वजूद मिलना तय माना जा रहा है।

केंद्र सरकार ने कहा

वांगचुक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

सुप्रीम कोर्ट में कहा, लद्दाख को बनाना चाहते थे नेपाल-बांग्लादेश

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सोनम वांगचुक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। वह लद्दाख को नेपाल या बांग्लादेश जैसा बनाना चाहते हैं। ऐसे व्यक्ति को और जहर उगलने की इजाजत नहीं दी जा सकती। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बैंच लद्दाख हिंसा मामले में एक्टिविस्ट वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वांगचुक के भाषण में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा सीधा खतरा दिखता है। जिला मजिस्ट्रेट ने हालात को देखते हुए गिरफ्तारी का सही फैसला लिया। मेहता ने कहा कि नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे उदाहरण देना, युवाओं को भड़काने और देश की एकता के खिलाफ माहौल बनाने के बराबर है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरे के लिए पर्याप्त आधार है।

राहुल ने नरवणे की किताब दिखाई, बोले- पीएम को दूंगा

केंद्रीय मंत्री को गद्दार बताया, बिट्टू ने कहा- देश के दुश्मनों से लेना-देना नहीं

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

आर्मी चीफ एमएम नरवणे की जिस किताब को लेकर संसद में दो दिन से हंगामा हुआ। राहुल गांधी बुधवार को वही किताब लेकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा।

राहुल ने किताब का वह पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री ने आर्मी चीफ से कहा था- जो उचित समझो वह करो!। राहुल ने कहा कि सरकार और रक्षा मंत्री कह रहे हैं कि किताब का अस्तित्व नहीं है। देखिए यह रही किताब।

राहुल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि प्रधानमंत्री आज लोकसभा में आने की हिम्मत करेंगे। अगर प्रधानमंत्री आते हैं तो मैं खुद जाकर उन्हें यह किताब सौंपूंगा, ताकि वे इसे पढ़ सकें और देश को इसके बारे में पता चल सके।

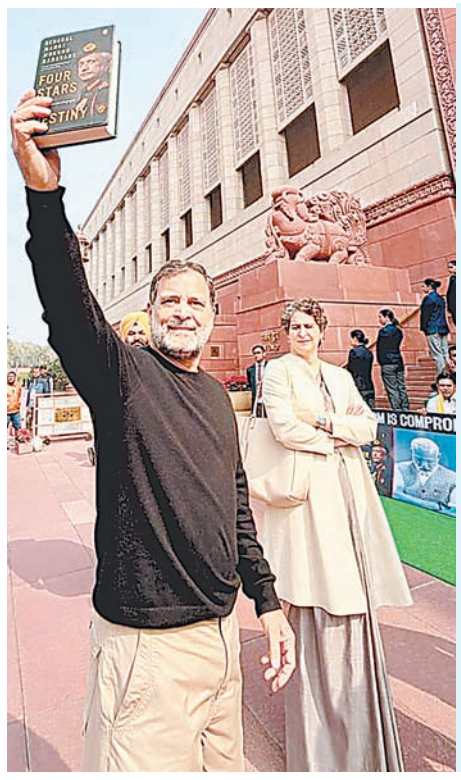

लोकसभा में नरवणे की किताब के अंश पढ़ना चाहते हैं राहुल

लोकसभा में दो दिन से पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक पर हंगामा हुआ। इसके चलते कई बार सदन स्थगित हो चुका है। राहुल इस किताब के अंश लोकसभा में पढ़ना चाहते हैं। स्पीकर ओम बिरला ने इसकी इजाजत नहीं दी है। इधर, कांग्रेस के कुछ सांसदों ने बजट सत्र के छठे दिन संसद के मकर द्वार के पास प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गांधी ने रवनीत सिंह बिट्टू को पास से गुजरते देखकर कहा कि देखो एक गद्दार आ रहा है, देखिए इसका चेहरा। राहुल गांधी ने हाथ मिलाने की पेशकश करते हुए कहा कि हैलो भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, आप वापस (कांग्रेस में) आ जाओगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने हाथ नहीं मिलाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि देश के दुश्मनों से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें सीएम बने

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने हैं। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लोकभवन में उन्हें गोपनीयता की शपथ दिलाई। मैतेई समुदाय से आने वाले खेमचंद पूर्व सीएम बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं। दो डिप्टी सीएम को भी शपथ दिलाई जाएगी। लोधी दिखो नागा समुदाय से आते हैं। कुकी समुदाय से आने वालीं नेमचा किपगेन राज्य की पहली डिप्टी सीएम होंगी। राज्य में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनी है। आज ही राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राज्य में 356 दिन से लगा राष्ट्रपति शासन हटाया। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन सीएम एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था।

इंदौर में 2 करोड़ की एमडी ड्रग

जांच में निकली यूरिया

पुलिसकर्मी समेत सभी आरोपियों को राहत कोर्ट में इंदौर पुलिस का केस खारिज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर पुलिस ने एक साल पहले जिस 2 करोड़ की एमडी ड्रग को पकड़कर खूब वाहवाही लूटी थी, जांच में वह अब यूरिया यानी पोटेशियम नाइट्रेट पाई गई है। मामले में जिला कोर्ट ने तेजाजी नगर पुलिस की ओर से पेश की गई खारिजी को स्वीकार करते हुए सभी आरोपियों को राहत दे दी है।

यह मामला 26 फरवरी 2025 का है। कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर तेजाजी नगर थाने के सब इंस्पेक्टर मनोज दुबे, प्रधान आरक्षक देवेंद्र परिहार, अभिनव शर्मा, आरक्षक गोविंदा, आरक्षक दीपेंद्र राणा एबी रोड बायपास पर कस्तूरबा ग्राम पहुंचे। यहां रोड किनारे दो व्यक्ति बाइक पर संदिग्ध अवस्था में बैठे दिखे।

पुलिस वाहन को देखकर दोनों भागने लगे। कुछ ही दूर पर उन्हें पकड़ लिया गया। एक ने अपना नाम विजय पाटीदार (मंदसौर) और दूसरे ने मोहम्मद शाहनवाज (आजाद नगर) बताया। तलाशी लेने पर शाहनवाज की जेब से पाउडरनुमा पदार्थ मिला। पुलिस ने उसे 198 ग्राम एमडी ड्रग बताकर पंचनामा बनाया। कीमत 2 करोड़ रुपए दर्शाई गई। आरोपियों को धारा 8/22 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी शाहनवाज के मेमोरेंडम के आधार पर आजाद नगर थाने के कोर्ट मुंशी पुलिसकर्मी लखन गुप्ता को भी आरोपी बनाया गया था।

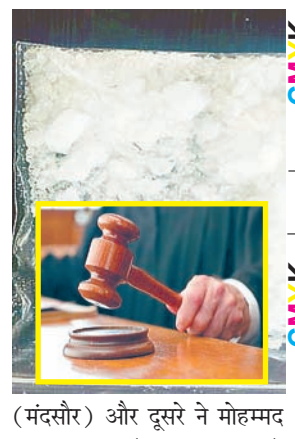

म्यांमार में आया 5.9 तीव्रता का भूकंप

कोलकाता और ढाका तक महसूस हुए झटके

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

म्यांमार में अब से कुछ देर पहले भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। वहां धरती इस कदर डोली की उसका असर सैकड़ों किलोमीटर दूर कोलकाता से लेकर ढाका तक महसूस किया गया। मंगलवार को आए 5.9 मैग्नीट्यूड तीव्रता के भूकंप के बाद उसके आफ्टर शॉक कोलकाता और बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में भी महसूस किए गए। ईएमएससी के डेटा के मुताबिक, भूकंप म्यांमार में अकयाब से 70 मील पूरब में आया। भूकंप इतना तेज था कि न सिर्फ कोलकाता बल्कि पश्चिम बंगाल के अलग-अलग शहरों में तेज झटके महसूस होने की खबरें आईं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज की रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर था।

नहीं मानेंगे इंटरनेशनल कोर्ट का आदेश

सिंधु जल संधि पर भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पाकिस्तान सिंधु जल संधि पर कोर्ट-कोर्ट खेल रहा है। दूसरी ओर भारत का रुख पहले से ही स्पष्ट है। अब भारत ने सिंधु जल संधि से जुड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश को स्पष्ट रूप से मानने से इनकार कर दिया है। भारत का कहना है कि यह कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन अवैध रूप से गठित है और इसके आदेशों को भारत मान्यता नहीं देता। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय अदालत ने भारत को निर्देश दिया था कि वह अपने जलविद्युत संयंत्रों के परिचालन रिकार्ड (विशेष रूप से बगलिहार और किशनगंगा परियोजनाओं के पोंडेज लॉगबुक) प्रस्तुत करे, ताकि आगे की सुनवाई में इनका उपयोग किया जा सके। अदालत ने नौ फरवरी, 2026 तक इन दस्तावेजों को सौंपने या अनुपालन न करने पर औपचारिक स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। दरअसल, हेग स्थित मध्यस्थता न्यायालय सिंधु जल संधि के ढांचे के तहत नई सुनवाई और दस्तावेज आदेशों के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इन कार्यवाहियों की वैधता को मान्यता नहीं देता और इनमें भाग नहीं लेगा।

मोबाइल गेम की लत में 3 बहनें 9वीं मंजिल से कूदीं

उम्र 12-14-16 साल, सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी मम्मी-पापा, गेम नहीं छोड़ पाएंगे

एजेंसी ▸▸ गाजियाबाद

गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात 2 बजे तीनों ने कमरे को अंदर से बंद किया, फिर स्टूल रखकर एक-एक करके बालकनी से छलांग लगा दी।

उनकी उम्र करीब 12, 14 और 16 साल है। पिता के मुताबिक, तीनों बेटियों को टास्क-बेस्ड कोरियन लव गेम की लत थी। वे हर वक्त एक साथ रहती थीं। एक साथ नहाती थीं और टॉयलेट जाती थीं। इस कदर गेम की लत थी कि स्कूल भी छोड़ दिया था।

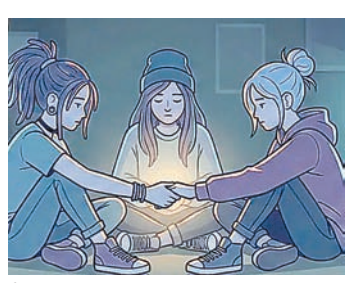

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा है कि पिता ने उन्हें गेम खेलने से मना किया और फटकार लगाई। इसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। तीनों बहनें जिस कमरे में सोती थीं, वहां पुलिस को एक डायरी मिली है। इसके 18 पन्नों में सुसाइड नोट लिखा मिला। पुलिस का दावा है कि नोट में लिखा है- मम्मी-पापा सॉरी गेम नहीं छोड़ पा रही हूं। अब आपको एहसास होगा कि हम गेम से कितना प्यार करते थे, जिसको आप छुड़वाना चाहते थे। घटना भारत सिटी बी-1 टॉवर के फ्लैट नंबर 907 की है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर आलोक प्रियदर्शी ने बताया- अभी तक की जांच में सामने आया है कि तीनों ने आत्महत्या की है। तीनों मोबाइल से गेम खेलती थीं। किन परिस्थितियों में आत्महत्या की गई, इसकी जांच की जा रही है।

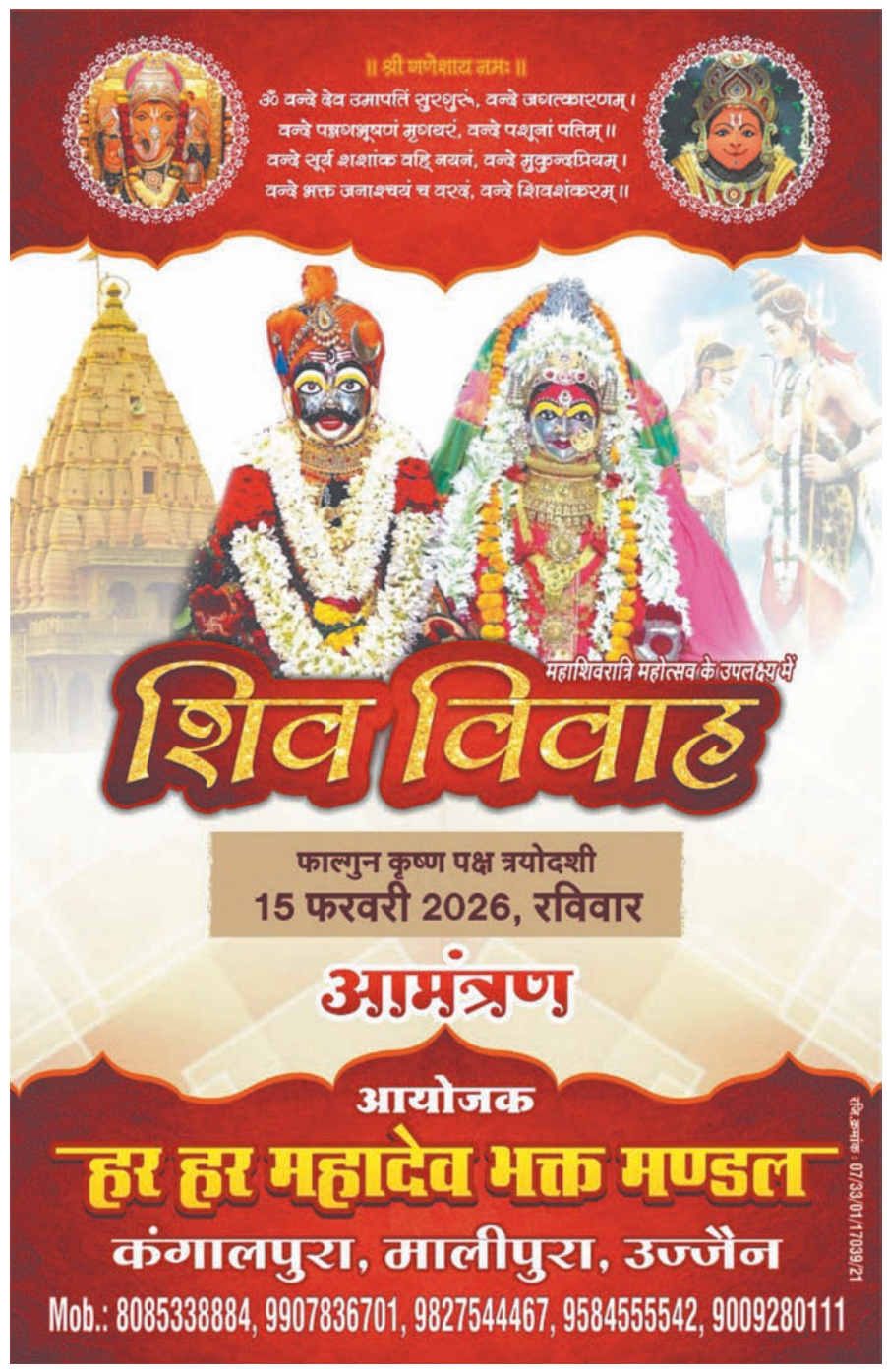

महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का मंगलवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

अगर ये हो गया तो हमारा रास्ता और सफल होगा

हमारे शहर में मात्र 13 किलोमीटर दूर अगर औद्योगिक क्षेत्र के पास में हवाई अड्डा बन गया तो इस शहर की बल्ले झ बल्ले होने से कोई नहीं रोक सकता है। बात यह नहीं है कि वहां से बहुत रोजगार मिल जाएगा। पूरे 40 साल का हिसाब पडोसी से चुकता हो जाएगा। हर बार धार्मिक नगरी के लिए आने वाली प्रगति को खाकर बैठा और अब भी हमारे कोल को बराबर खा रहा है। देवास रोड पर अगर हवाई अड्डा आ गया तो हमारे और पडोसी जिले के विकास के रास्ते अलग झअलग हो जाएंगे। अभी हमारे विकास का रास्ता उनके इधर से होकर जाता है जिस–ाका काफी हिस्सा उनकी झोली में चला जाता है। हमारी निर्भरता उनपर ज्यादा है। यही कारण है कि शहरी विकास से लेकर अन्यानेक मामलों में हमें एक मात्र इंदौर रोड ही दिखाई देता है। यहां तक की प्रगति के शहर के रूप में भी पडोस में यही शहर दिखाई देता है। देवास रोड पर हवाई अड्डे के आ जाने से देवास मार्ग पर बूम होगा और उसके बाद बल्ले झबल्ले हो जाना तय है। अभी हमारे यहां आने वाले बडे श्रद्धालु इनके यहां होटलों में रात को रूकते हैं,उनके यहां से कार टैक्सी लेते हैं उज्जैन आते हैं बाबा के दर्शन करते हैं हम उनका सम्मान करते हैं और वे रवाना हो जाते हैं। उनके यहां की होटल वालों को मिला,टैक्सी वाले को मिला। शाप वालों को कुछ न कुछ मिलता है। उज्जैन वालों को क्या मिलता है– ठुल्लू। हमारे यहां हवाई अड्डा होगा। नाईट लैंडिंग होगी तो आने वाले श्रद्धालु उनके यहां नहीं हमारे यहां ही आएगा। रूकेगा। हवाई अड्डे के पास की होटलों में रात्रि विश्राम करेगा। आसपास के शाप से खरीदी करेगा। हवाई अड्डे की इस योजना को हर हाल में अमल में लाना चाहिए। स्मरण रखा जाए पडोसी का मेहमान पडोसी का ही होता है आपका नहीं। खुसूर–फुसूर है कि विकसित भारत 2047 के तहत देश में जो हवाई अड्डे बनने हैं उनमें उज्जैन को भी लाभ ले ही लेना चाहिए। 400 कुल होना हैं अभी मात्र 167 ही हैं ऐसे में देश के हवाई मार्ग में अगर हम शामिल हो गए तो हमारी प्रगति को नया सौपान मिल सकेगा। हमारा मार्ग पडोसी से अधिक निखर जाएगा। जैसे हम अभी उस पर निर्भर हैं वैसे ही पास के हमारे संभाग के तीन जिले हम पर निर्भर हो जाएंगे और वे भी प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढने लगेंगे।

ट्रैंडिंग

'व्यापार मेले से संबंधित कार्य निश्चित समय अवधि में पूर्ण करें'

उज्जैन। व्यापार मेला 2026 जो कि फरवरी माह में 15 तारीख महाशिवरात्रि से 19 मार्च गुड़ी पड़वा तक प्रस्तावित है मेले से संबंधित नगर निगम की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए सोमवार को निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा निगम अधिकारियों के साथ व्यापार मेले आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक की गई। निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा अधिकारियों से चर्चा करते हुए व्यापार मेले आयोजन को लेकर चर्चा की गई जिसमें अधिकारियों द्वारा बताया कि वर्तमान में टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है फरवरी माह में 15 तारीख महाशिवरात्रि पर्व से 19 मार्च गुड़ी पड़वा तक प्रस्तावित व्यापार मेले में नगर निगम द्वारा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाती है इसके लिए मेले का लेआउट डालने का कार्य, शौचालय की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साफ सफाई, सिविल वर्क, कंट्रोल रूम, इत्यादि जो भी व्यवस्थाएं समय पूर्व सुनिश्चित करें बैठक में अपर आयुक्त श्री संतोष टैगोर, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, श्री मनोज मौर्य, कार्यपालन यंत्री श्री वैभव भावसार, श्री पलाश शर्मा, श्री जगदीश मालवीय, सहायक आयुक्त श्री प्रफुल्ल गठरे, श्री प्रदीप सेन, सहायक यंत्री, जनसंपर्क अधिकारी श्री पवन कुमार उपस्थित रहें।

एक करोड की राशि एवं मकान की घोषणा कागजों तक ही सिमट गई, उज्जैन निवासी वनरक्षक देवास के पूंजापुरा में शिकारियों ने गोली मारी थी

वन शहीद के परिजनों को 5 साल में भी नहीं मिला सम्मान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन के गढकालिका रोड जानकी नगर के निवासी वनरक्षक मदनलाल वर्मा 58 वर्ष को 4-5 फरवरी 2021 को पूंजापुरा के जंगलों में शिकारियों ने निडरता के साथ कर्त्तव्य को अंजाम देने के दौरान गोली मार दी थी। तत्कालीन स्थितियों में उन्हें शहीद के समकक्ष दर्जा देने के साथ परिजनों को एक करोड की सम्मान निधि एवं मकान देने की घोषणा पूरे 5 साल बाद भी कागजों तक सिमटी हुई है। सभी अपराधियों को 10-10 साल की सजा न्यायालय दे चुका है।

वर्ष 2021 में देवास वनमंडल में पदस्थ वनरक्षक मदनलाल वर्मा के साथ पूंजापुरा रेंज अंतर्गत शिकारियों ने वारदात को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने आकस्मिक बैठक आहुत करते हुए घोषणा की थी। इन घोषणाओं पर 5 साल बाद भी विभाग एवं शासन अमल नहीं कर सका है। मात्र उनके पुत्र को नौकरी देने का पत्र तत्कालीन वन मंत्री ने उनके घर उज्जैन पहुंचकर दिया था। तत्कालीन देवास डीएफओ पीएन मिश्रा के प्रयासों से मामले में अपराधियों को पकडे जाने एवं उनके विरूद्ध पुख्ता सबूत एवं गवाह पेश किए जाने की स्थिति में न्यायालय ने आरोपियों को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया था।

मदनलाल वर्मा, वनरक्षक

ये घोषणा की गई थी

घटना के बाद आपात बैठक में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिह चौहान ने देवास जिले में वनरक्षक और ग्वालियर में पुलिस निरीक्षक पर अपराधी तत्वों द्वारा हमले की घटना को दुःखद बताया। श्री चौहान ने कहा था कि देवास में शिकारियों की गोली से मृत वन रक्षक मदनलाल वर्मा को शहीद के समकक्ष दर्जा दिया जाएगा। उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी, एक करोड़ रुपए और एक मकान दिया जाएगा। तत्कालीन प्रमुख सचिव वन अशोक वर्णवाल ने भी वन रक्षक को शहीद के समकक्ष दर्जा मिलने पर उसके परिवार के एक सदस्य को नौकरी, एक करोड़ रुपए और एक मकान दिया जाने की बात कही थी।

निडरता से
विडियो बनाया

वन मंडल देवास की पुंजापुरा रेंज की बीट रतनपुर के फॉरेस्ट गार्ड मदनलाल वर्मा (58 वर्ष) की लाश 4 एवं 5 फरवरी 2021 की मध्यरात्रि में मिली थी। बाद में जांच में सामने आया था कि गश्त के दौरान शिकारियों ने गार्ड को गोली मारी। गार्ड के मोबाइल की रिकॉर्डिंग चालू होने से उसमें दर्ज वीडियो सामने आने पर पता चला था कि फॉरेस्ट गार्ड बाइक पर था और शिकारियों का पीछा कर रहा था। तभी शिकारियों ने कहा कि गोली मार दे, पीछा नहीं छोड़ रहा। वीडियों में साफ है कि गार्ड ने आखिरी दम तक संघर्ष किया। देवास जिले के उदयनगर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया गया था। फारेस्ट गार्ड का पार्थिव शरीर उज्जैन स्थित जानकीपुरा में उनके घर लाया गया था। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है।

नगर निगम की जल सुनवाई में 07 शिकायतें प्राप्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महापौर मुकेश टटवाल एवं निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के निदेर्शानुसार नागरिकों की पेयजल संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु मंगलवार को शहर के 10 स्थलों जिसमें गुदरी चौराहा पानी की टंकी, चार धाम टंकी, रवि शंकर नगर टंकी, नागझिरी टंकी, सुभाष नगर टंकी, पार्श्वनाथ टंकी, बसंत विहार टंकी, देवास गेट टंकी, नगर निगम मुख्यालय, कलेक्टर भवन पर जल सुनवाई का आयोजन प्रातः 11 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक किया गया, जिसमें विभिन्न लोगों ने अपनी समस्याएं बताईं।

महाकाल क्षेत्र के व्यापारियों का 119 दिन से धरना जारी

समाधान न मिलने पर सुंदरकांड पाठ कर सरकार को सद्बुद्धि की प्रार्थना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में महाकाल मंदिर क्षेत्र के फुटपाथ व्यापारी अपनी मांगों को लेकर 119 दिनों से धरना दे रहे हैं। समाधान न मिलने पर उन्होंने धरना स्थल पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। व्यापारियों का आरोप है कि उन्हें बिना पूर्व सूचना के हटाया गया है और सरकार तथा प्रशासन उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है।

व्यापारियों ने सरकार और प्रशासन को सद्बुद्धि देने तथा अपनी समस्याओं के शीघ्र निराकरण की प्रार्थना के उद्देश्य से यह धार्मिक आयोजन किया। उनका कहना है कि लंबे समय से उनकी मांगों को अनसुना किया जा रहा है, जिससे वे आहत हैं।

संघ अध्यक्ष कालूराम चौहान ने बताया कि वर्ष 2014 में संसद द्वारा पारित पथ विक्रेता (जीविका संरक्षण एवं विनियमन) अधिनियम को मध्य प्रदेश में आज तक प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि कानून लागू हुए 11 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन न तो पथ विक्रेताओं का विधिवत सर्वे हुआ है और न ही उनके स्थायी संरक्षण या पुनर्वास की कोई ठोस व्यवस्था की गई है।

व्यापारियों का आरोप है कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण सैकड़ों छोटे व्यापारियों की आजीविका संकट में पड़ गई है। वे लंबे समय से मंदिर प्रशासन और नगर निगम से संवाद और समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी बातों पर कोई सुनवाई नहीं हुई है।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सुंदरकांड पाठ के बाद भी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो उज्जैन से लेकर भोपाल तक बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन और आंदोलन किया जाएगा।

इस अवसर पर अखाड़ा के संतों द्वारा विधिवत सुंदरकांड का पारायण किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में व्यापारी और उनके समर्थक शामिल हुए।

स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बड़े स्तर पर बुनियादी ढांचे में बदलाव

विशाल बजट का उपयोग जर्जर पाइपलाइनों की मरम्मत करने और उन्हें बदलने के लिए किया जाएगा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सूबे की मोहन यादव सरकार पूरे प्रदेश के साथ ही उज्जैन में भी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बड़े स्तर पर बुनियादी ढांचे में बदलाव करने जा रही है। मुख्यमंत्री शहरी विकास अधोसंरचना-5 के तहत 5,000 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। इस विशाल बजट का उपयोग जर्जर पाइपलाइनों की मरम्मत करने और उन्हें बदलने के लिए किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से अमृत परियोजनाओं के अंतराल को भरा जाएगा और लंबे समय से लंबित सीवरेज व वाटर सप्लाई के कार्यों को गति दी जाएगी।

इंदौर के भागीरथपुरा जैसी जल प्रदूषण की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए राज्य सरकार ने 10 जनवरी से एक राज्यव्यापी स्वच्छ जल अभियान संचालित किया है।

जल सुरक्षा, जल संरक्षण, जल जागरूकता और जल सुनवाई की थीम पर आधारित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को आपूर्ति किए जा रहे पानी की गुणवत्ता की जांच करना और जल प्रदाय प्रणाली में जनता का भरोसा बहाल करना है। इस अभियान के तहत अब तक 90,453 पानी के नमूने लिए गए, जिनमें से 973 सैंपल फेल पाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि 9,801 अमृत मित्र महिलाएं घर-घर जाकर पानी के सैंपल एकत्र करने के इस महत्वपूर्ण कार्य में जुटी हुई हैं। पारदर्शिता और जन-सुनवाई के लिए हर मंगलवार को विशेष जल सुनवाई आयोजित की जा रही है। इस पहल के माध्यम से पानी के प्रदूषण से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता से सुलझाया जा रहा है। इस अभियान की थीम है जल सुरक्षा, जल संरक्षण, जल जागरूकता यानी जल सुरक्षा, जल संरक्षण, जल सुनवाई।

पूरे प्रदेश के साथ ही उज्जैन में भी जल प्रदाय प्रणाली को चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए सप्लाई लाइनों और सीवर लाइनों के लीकेज और क्रॉसिंग पॉइंट्स की पहचान की जा रही है। आंकड़ों के अनुसार, अब तक पहचाने गए 15,718 लीकेज में से 14,661 की मरम्मत पूरी की जा चुकी है। इसके साथ ही , पूरे प्रदेश में 3,298 ओवरहेड टैंकों में से 3,144 टैंकों की सफाई का कार्य संपन्न हो चुका है, ताकि जमा गंदगी से पानी दूषित न हो। पेयजल स्त्रोतों की सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेश के 21,215 ट्यूबवेलों में से 9,668 की गुणवत्ता जांच की गई है। इस जांच के दौरान 185 ट्यूबवेल प्रदूषित पाए गए, जिन्हें तत्काल प्रभाव से पीने के पानी के उपयोग के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रशासन का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर शहर और गांव ह्यवाटर सेफह्व (पानी के मामले में सुरक्षित) बने और नागरिकों को शुद्ध जल का मौलिक अधिकार मिल सके।

19 साल बाद 6 ग्रहों के विशेष योग में महाशिवरात्रि

भक्तों के लिए यह विशेष फलदायी, महाकाल मंदिर में तैयारियां शुरू

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी और चतुर्दशी के संधिकाल में महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इस साल महाशिवरात्रि 15 फरवरी, रविवार को मनाई जाएगी। इस दिन सूर्य, बुध, शुक्र और राहु कुंभ राशि में, केतु सिंह राशि में और चंद्रमा मकर राशि में गोचर करेगा।

ऐसे में त्रिकोण योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है, जिसे विशेष फलदायी माना जाता है।

पूरे साल में आने वाली 12 शिवरात्रियों में फाल्गुन मास की शिवरात्रि को महाशिवरात्रि कहा जाता है। ज्योतिष पंडित अमर डिब्बावाला के अनुसार, इस बार ग्रहों का दुर्लभ पुनरावृत्ति योग बन रहा है। इससे पहले ऐसा संयोग 2007 में बना था। करीब 19 साल बाद एक बार फिर इन्हीं ग्रहों की स्थिति में महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाएगा।

महाकाल मंदिर में तैयारियां शुरू

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। 6 फरवरी से शिवरात्रि पर्व के तहत मंदिर के मुख्य शिखर की धुलाई, मंदिर परिसर की रंग-रोगन, कोटितीर्थ कुंड की सफाई और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया है। मंदिर प्रांगण में स्थित 40 मंदिरों की पुताई का काम अंतिम चरण में है।

इस संबंध में मंगलवार शाम कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक और समिति सदस्यों के साथ बैठक कर दर्शन व्यवस्था को अंतिम रूप देंगे।

चार प्रहर की पूजा से मिलती है सिद्धि और सफलता

शिव महापुराण के अनुसार महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की कृपा पाने के लिए चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है। यह पूजा प्रदोष काल से लेकर निशिथ काल (मध्य रात्रि) और ब्रह्म मुहूर्त तक की जाती है। इस दौरान श्रद्धालु अपने संकल्प के अनुसार सपरिवार या साधक विशेष पूजा-अनुष्ठान कर सकते हैं।

सूर्य के इस नक्षत्र परिवर्तन से आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकता है

6 फरवरी से इन राशि वालों की चमकेगी किस्मत, होगा लाभ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

ज्योतिषियों के मुताबिक, फरवरी माह कुछ राशि वालों के अत्यंत शुभ रहने वाला है। माह के प्रारंभ में जहां बुध कुंभ में गोचर कर रहे हैं, वहीं ग्रहों के राजा सूर्य भी नक्षत्र परिवर्तन करने जा रहे हैं। वह 6 फरवरी 2026 को मंगल के स्वामित्व वाले धनिष्ठा नक्षत्र में अपना स्थान लेंगे। ज्योतिष में सूर्य और मंगल में मित्रता मानी जाती है, इसलिए यह गोचर कई राशियों के लिए विशेष रूप से शुभ संकेत लेकर आ रहा है। इस दौरान कुछ जातकों के आत्मविश्वास, साहस और आगे बढ़ने की प्रेरणा को मजबूती प्राप्त हो सकती हैं और उनके रुके हुए कार्य पूरे होने के योग हैं। आइए इन राशियों को जानते हैं।

मेष राशि

सूर्य के इस नक्षत्र परिवर्तन से आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकता है। नई नौकरी की प्राप्ति होगी और करियर-कारोबार में प्रगति के योग बन रहे हैं। इस दौरान सूर्य के प्रभाव से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपकी मेहनत रंग लाएगी। मेष राशि वालों को धन लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। नए लोगों से मुलाकात होगी, जो भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। निवेश के लिए समय शानदार रहने वाला है।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों के लिए समय शुभ रहने वाला है, क्योंकि आय के नए स्त्रोत बन सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कन्या राशि वालों के परिवार में सुख-शांति और खुशियों का माहौल रहेगा। आपको लाभ के कई अवसर मिलेंगे, जिनका सही समय पर फायदा उठाने से उन्नति के मार्ग खुलेंगे। इस दौरान विवाह के मार्ग में आ रही बाधाएं दूर होंगी। व्यवसाय को आगे बढ़ाने की कोशिशें सफल होंगी। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

मकर राशि

मकर राशि वालों को धन लाभ होगा और रिश्तों में प्रेम बढ़ेगा। लव पार्टनर के साथ बेहतर तालमेल देखने को मिलेगा। छात्रों को परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त होंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं और मन प्रसन्न रहेगा। छोटी दूरी की यात्रा पर निकल सकते हैं, जो संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आएंगे।

नं.1 क्षेत्रीय अखबार

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

इंदौर | उज्जैन | गुरुवार 05 फरवरी, 2026 | www.awantika.com

प्रदेश की खबरें

समिति ने भेजा परिवहन आयुक्त को प्रस्ताव

इंदौर। सड़क हादसा देखकर अक्सर लोग डर जाते हैं, कोई कानूनी झंझट के डर से रुकता नहीं। लेकिन इंदौर में दो ऐसे नागरिक सामने आए हैं, जिन्होंने इंसानियत को प्राथमिकता दी और घायलों को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचा ली। अब केंद्र सरकार की राह-वीर योजनाझ2025 के तहत इंदौर में पहली बार दो राह-वीरों को पात्र घोषित किया गया है, जिन्हें 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि और सम्मान-पत्र दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। हाल ही में इस योजना के तहत कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता वाली समिति ने दो राहवीरों के नाम परिवहन आयुक्त को भेजे है। जिला स्तरीय अप्रेजल कमेटी द्वारा सभी प्रकरणों की गहन समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया है। बीते दिनों सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने भी राहवीर के मामलों का शीघ्र निराकरण करने के लिए कहा था।

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों की बेड क्षमता में की जाएगी वृद्धि

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में जहां-जहां भी ओला-पाला से फसलें प्रभावित हुई हैं, उन जिलों के कलेक्टर्स, सर्वे कराकर तत्काल सहायता राशि किसानों को उपलब्ध कराएं। किसानों के सभी प्रकार के हित सुनिश्चित करने और उनकी आय दोगुना करने के उद्देश्य से ही वर्ष-2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषक कल्याण कृषि वर्ष में मालवा, निमाड़, चंबल और विंध्य अंचलों में कृषि कैबिनेट आयोजित की जाएगी। कृषि के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन जैसी गतिविधियां अपनाने के लिए कृषकों को प्रेरित किया जा रहा है। हाल ही में प्रदेश में पहली बार राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव आयोजित किया गया। पुष्प उत्पादन और देश-विदेश में फूलों की बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रदेश में नरवाई प्रबंधन और पराली जलाने पर नियंत्रण के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। भावांतर योजना में सरसों और अन्य तिलहन फसलों को भी शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। मूंग के स्थान पर उड़द को प्रोत्साहित करने के लिए नीति बनाई जा रही है। इसके लिए किसानों को प्रेरित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को भोपाल में कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रि-परिषद सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में राज्य स्तरीय एमपी यूथ गेम्स-2026 के भव्य आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठित आयोजनों में देशज खेलों को भी शामिल किया जाए।

इंदौर के वार्ड क्रमांक 80 में भारी लापरवाही, रहवासियों में दहशत

नर्मदा जल में ड्रेनेज पानी मिलने का खतरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

वार्ड क्रमांक 80 में नगर निगम एवं वार्ड के पार्षद प्रशांत बडवे की गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। पाराशर नगर स्थित 12 ज्योतिर्लिंग मंदिर के पास नर्मदा जल वितरण के वाल्व चेंबर की स्थिति बेहद चिंताजनक पाई गई है, जहाँ ड्रेनेज का गंदा पानी सीधे चेंबर में भरा हुआ दिखाई दे रहा है। स्थानीय नागरिकों द्वारा स्वयं मौके पर जाकर स्थिति देखी गई, जहाँ स्पष्ट रूप से वाल्व चेंबर में गंदा, बदबूदार पानी जमा पाया गया। यह स्थिति यह दशार्ती है कि नर्मदा का शुद्ध पेयजल कभी भी दूषित हो सकता है। ऐसे में नगर निगम को सूचित करने की बात इसलिए कही जा रही है क्योंकि समस्या केवल आशंका नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष रूप से मौजूद है। यह मामला केवल लापरवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों के

स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ, तो यह क्षेत्र भी भागीरथपुरा जैसी भयावह स्थिति की ओर बढ़ सकता है, जहाँ दूषित पानी के कारण कई लोगों की जान गई थी। पाराशर नगर के रहवासी किसी भी हाल में ऐसी पुनरावृत्ति नहीं चाहते। इसी गंभीर खतरे को देखते हुए क्षेत्र में जागरूकता फैलाना बेहद आवश्यक हो गया है, ताकि कोई अनहोनी न हो। पाराशर नगर के सभी नागरिकों से अपील की जाती है कि वे अपने घरों में आ रहे पानी की स्वयं जांच करें। यदि पानी में किसी भी प्रकार की गंदगी, बदबू या रंग में परिवर्तन दिखाई दे, तो इसे नजरअंदाज न करें। अब आवश्यकता है कि नगर निगम और वार्ड के जिम्मेदार जनप्रतिनिधि इस गंभीर मामले को तुरंत संज्ञान में लें, दोषियों पर कार्रवाई करें और नर्मदा जल की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए त्वरित एवं स्थायी समाधान करें।।

कार्यालय की लांघी दीवार हार्न बजा तो चला पता

ईओडब्ल्यू पुलिस अधीक्षक की गाड़ी में बेसुध मिली युवती

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उदयन मार्ग ईओडब्ल्यू कार्यालय परिसर में बुधवार तड़के पुलिस अधीक्षक की गाड़ी का हॉर्न बजाने लगा। परिसर में बने आवास से पुलिस अधीक्षक बाहर निकाल कर आए तो गाड़ी में बेसुध युवती को देखा। डायल 112 पर कॉल किया गया। माधवनगर पुलिस ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंची। युवती नशे की हालत में थी उसे थाने लाया गया।

माधवनगर थाना प्रभारी राकेश भारती ने बताया कि तड़के 5 बजे के लगभग ईओडब्ल्यू कार्यालय परिसर के शासकीय आवास से पुलिस अधीक्षक समर वर्मा द्वारा दी गई सूचना पर पुलिस पहुंची थी। जहां उनकी गाड़ी में एक युवती बेसुध हालत में मिली। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि उनकी गाड़ी का और लगातार बज रहा था जिसके चलते वहां बाहर आए थे उक्त युवती स्टेरिंग पर सर रख के पड़ी हुई थी। युवती को थाने लाया गया है जिससे पूछताछ करने का प्रयास किया जा रहा है वह मानसिक रूप से विक्षिप्त भी दिखाई नहीं दे रही है, लेकिन कुछ बताने को तैयार भी नहीं है। जानकारी सामने आई है कि युवती नशे की हालत में कार्यालय की दीवार लांघी कर अंदर घुसी थी, उसने परिसर में ही गाड़ी की रखी चाबी से गेट का लॉक खोल लिया था। उसके परिजनों की जानकारी जुटाने पर सामने आया कि पंवासा क्षेत्र के रहने वाली है। नशा करने की आदी है और कभी भी घर से निकल जाती है पति भी उसकी हरकतों से काफी परेशान है।

महाकालेश्वर मंदिर का चमत्कारी शिवलिंग

कुंड के जल से प्रतिदिन होता है बाबा का अभिषेक

हनुमान जी की प्रतिमा से श्रद्धालुओं को जानकारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

कालो के काल बाबा महाकाल के दरबार में आने वाले श्रद्धालु गर्भगृह में बाबा महाकाल के दर्शन करते हैं, लेकिन महाकालेश्वर मंदिर के कोटि तीर्थ में एक अनोखा शिवलिंग है जो सदैव जलमग्न रहता है। यहां आने वाली प्राकृतिक आव से इसका अभिषेक भी प्रतिदिन होता रहता है। महाकाल मंदिर के पुजारी ने बताया कि यह शिवलिंग कुंड के तल में स्थित है और इसके दर्शन प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि से पहले कुंड की सफाई के दौरान किए जाते हैं। पंडित राम शर्मा ने कहा कि कोटि तीर्थ दुर्लभ शैली से बना है और यहां भगवान हनुमान जी ने राम राज्याभिषेक के समय जल प्रवाहित किया था। बाबा महाकाल की प्रतिदिन होने वाली आरती के समय इसी जल से भगवान का अभिषेक किया जाता है।

मंदिर आने वाले अधिकांश श्रद्धालुओं को इस शिवलिंग के बारे में जानकारी नहीं होती। इसलिए पुजारी परिवार और श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति ने कोटि तीर्थ पर हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की है, ताकि सभी श्रद्धालु जान सकें कि यह जल हनुमान जी द्वारा प्रवाहित किया गया था।

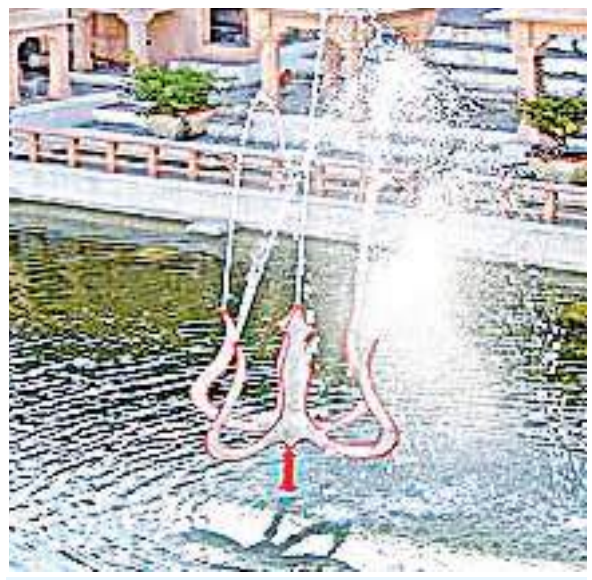

24 घंटे चलता है प्राकृतिक जल का अभिषेक

बताया जाता है कि यह शिवलिंग कोटि तीर्थ के तल में सदैव जलमग्न रहता है और प्राकृतिक आव के कारण इसका अभिषेक निरंतर होता रहता है। मंदिर में कुंड की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है। कुंड में मछलियां भी छोड़ी जाती हैं ताकि पानी स्वच्छ रहे और किसी प्रकार की गंदगी न हो।

बाबा महाकाल के दरबार पहुंचे भोजपुरी फिल्म अभिनेता विनय आनंद, बोले- हर प्रार्थना सुनते हैं महाकाल

हिंदी और भोजपुरी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता विनय आनंद आज धार्मिक नगरी उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के चांदी द्वार से दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित संजय गुरु और पंडित दिनेश शर्मा ने बताया कि विनय आनंद बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए उज्जैन आए थे। उन्होंने चांदी द्वार से बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन किया और उनका आशीर्वाद लिया। अभिनेता पहले भी बाबा महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। आज वे दर्शन के दौरान शिव भक्ति में लीन दिखाई दिए और नंदी हॉल में पहुंचकर ध्यान भी किया।

उज्जैन देवों की नगरी

दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में विनय आनंद ने कहा कि बाबा महाकाल के दरबार में की गई हर प्रार्थना बाबा सुनते हैं। उन्होंने बताया कि 70 फिल्मों के बाद उनकी एक प्रार्थना यह थी कि वह हिंदी फिल्मों में भी काम करें। उनकी यह प्रार्थना बाबा महाकाल ने स्वीकार की और अब उनकी नई हिंदी फिल्म श्एस ई पी विक्रांत के रूप में मकानश् जल्द ही रिलीज होने वाली है। अभिनेता ने कहा, ह्लउज्जैन नगरी देवों की नगरी है। यहां के सभी मंदिरों की अपनी अलग विशेषता है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे इस देवनगरी में आने का अवसर मिला और मैंने बाबा महाकाल के दर्शन किए। उज्जैन और मध्य प्रदेश सनातनी संस्कृति का गढ़ हैं। इसके साथ ही उन्होंने जय श्री महाकाल का उद्घोष भी किया।

कालिदास के आंगन में अभिनव का राष्ट्रीय नाट्य समारोह

भाव-विभोर कर देने वाली सकु बाई का एकल नाट्य मंचन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ डॉ. जफर महमूद

उज्जैन की कालिदास अकादमी के अभिरंग नाट्यगृह में अभिनव रंग मंडल का 40 वां राष्ट्रीय नाट्य समारोह स्तरीय नाटकों की श्रृंखला के साथ कामयाबी का सफर तय कर रहा है। दूसरी शाम अपनी प्रतिभा कौशल से फिल्म नगरी मुंबई में झंडे गाड़ने वाले कला कर्मियों ने एकल प्रस्तुति से सुधी दर्शकों को भावविभोर किया।एक रंग मुम्बई के बेनर तले समाज की स्त्री मनो दशाओं को व्यक्त करता नाटक सकु बाई का प्रभावी मंचन हुआ।

प्रख्यात नाट्य कर्मी नादिरा बब्बर द्वारा लिखित सकु बाई की कहानी घरों में काम करने नौकरानी पर केन्द्रित है। उच्च वर्ग के घरों में काम करते हुए उसे अनेकों परिवारों की हकीकत से रूबरू

होना होता है। पूरा नाटक स्त्री मीमांसा पर आधारित है। नाटक में स्त्री की इच्छा शक्ति को अभिनय कौशल के साथ प्रस्तुत किया गया। देश के प्रमुख रंग कर्मियों में शुमार जयंत देशमुख के नाट्य निर्देशन में इस एकल नाट्य प्रस्तुति ने एक घंटा दस मिनट तक दर्शकों को बांधे रखा। जयंत देशमुख ने अपनी रचनात्मक दृष्टि और कलात्मक समझ से भारतीय रंगमंच और सिनेमा में अपना स्थान बनाया है। मंच परिकल्पना में उनका कोई सानी नहीं है। सौ से अधिक नाटकों एवं सौ से ज्यादा फिल्मों में उन्होंने अपनी सर्जनात्मकता को व्यक्त किया है। भोपाल में रंग मंडल की स्थापना से जुड़े जयंत देशमुख ने बा.व. कारंत से लेकर हबीब तनवीर तक के साथ अपने को तराशा। उसके बाद मुम्बई का रुख किया।

प्रस्तुत नाटक में स्त्री के अनेक पात्रों को अभिनेत्री आशी मालवीय ने जीवंत कर दिखाया। आशी ने अपने केरियर की शुरूआत नौ साल भोपाल में नाटकों में काम करते हुए की। अब मुम्बई में रह कर अनेक फिल्मों और टीवी सीरियल में काम कर रही हैं।सोनी सब चैनल पर तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल के साथ दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले डॉ चंद्र प्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में प्रसारित जन-जन के राम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सकू बाई में आलोकन अंकित देसाई का था।

जन समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निराकरण

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रति सप्ताह मंगलवार आयोजित की जा रही जनसुनवाई का सिलसिला निरंतर जारी है। इसी क्रम में आज कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं सुनकर कई प्रकरणों का मौके पर ही समाधान किया। जनसुनवाई में कुल 301 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें स्वास्थ्य, राजस्व तथा पारिवारिक विवाद, स्थापना, आर्थिक सहायता आदि से संबंधित प्रकरण शामिल थे।

26 मामलों के आरोपी पूर्व पार्षद कादरी को जमानत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

लव जिहाद के लिए फंडिंग करने और एक दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामलों के आरोपी वार्ड-58 से कांग्रेस पार्षद रहे अनवर कादरी को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जिला कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद कादरी ने हाईकोर्ट में अपील की थी, जिसे बुधवार 4 फरवरी को मंजूर कर लिया गया। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की बेंच ने सुनवाई के बाद याचिका स्वीकार की है। हालांकि जमानत का औपचारिक आदेश आना अभी बाकी है।

यह मामला बाणगंगा थाना क्षेत्र का है। जून 2025 में एक युवती ने साहिल शेख और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। युवती का आरोप था कि साहिल ने प्रेम जाल में फंसाकर उसका शारीरिक शोषण किया और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। बुर्का पहनने के लिए भी मजबूर किया गया। जांच के दौरान साहिल शेख ने बयान दिया कि इस तरह के मामलों के लिए अनवर कादरी के जरिए दो लाख रुपए की फंडिंग की जाती थी। इसके बाद पुलिस ने कादरी को मुख्य आरोपी बनाते हुए विभिन्न गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया। केस दर्ज होने के बाद अनवर कादरी फरार हो गया था। लंबे समय बाद उसने कोर्ट में सरेंडर किया, जिसके बाद से वह जेल में बंद था।

कोविड और कानूनी अनभिज्ञता पर मजदूरों को राहत

हाईकोर्ट ने कहा लिमिटेशन पर तकनीकी सख़्ती से बचें, मेडिकैप्स लिमिटेड की याचिका खारिज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने श्रमिक हितों को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि श्रम कानून फायदेमंद कानून होते हैं और मजदूरों के दावों को लिमिटेशन के अत्यधिक तकनीकी आधार पर खारिज नहीं किया जाना चाहिए, खासकर तब जब देरी कोविड-19 महामारी और कानूनी जागरूकता की कमी के कारण हुई हो।

जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने मेडिकैप्स लिमिटेड द्वारा दायर रिट याचिका को खारिज कर दिया। कंपनी ने इंदौर की इंडस्ट्रियल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मजदूरों की देरी माफ कर मामला दोबारा लेबर कोर्ट को भेजा गया था। मामला 22 नवंबर 2019 को मेडिकैप्स लिमिटेड के औद्योगिक प्रतिष्ठान के बंद होने से जुड़ा है। नियोक्ता का कहना था कि बंद इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स एक्ट, 1947 और मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल रिलेशन्स एक्ट, 1960 (एमपीआईआर एक्ट) के तहत तय प्रक्रिया का पालन कर किया गया और सभी कर्मचारियों को उनके वैधानिक बकाए का भुगतान कर दिया गया। हालांकि कुछ मजदूरों ने टढकफ अू३ के तहत इस बंद को चुनौती दी थी। पहले लेबर कोर्ट और फिर इंडस्ट्रियल कोर्ट ने बंद को वैध ठहराया। इसके बाद मजदूरों ने लेबर कोर्ट में नया आवेदन दायर कर दावा किया कि 22 नवंबर 2019 को उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। मजदूरों का कहना था कि इसके तुरंत बाद देशव्यापी लॉकडाउन लग गया और अशिक्षा व कानूनी जानकारी के अभाव में वे तय समय-सीमा में कानूनी उपाय नहीं कर पाए।

कोविड के बाद नया दावा, लिमिटेशन बनी बाधा

इसके बाद मजदूरों ने लेबर कोर्ट में नया आवेदन दायर कर दावा किया कि 22 नवंबर 2019 को उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। मजदूरों का कहना था कि इसके तुरंत बाद देशव्यापी लॉकडाउन लग गया और अशिक्षा व कानूनी जानकारी के अभाव में वे तय समय-सीमा में कानूनी उपाय नहीं कर पाए। लेबर कोर्ट ने यह कहते हुए दावा खारिज कर दिया कि यह MPIR Act की धारा 62 के तहत एक साल की लिमिटेशन से बाधित है।

इंडस्ट्रियल कोर्ट ने देरी माफ की

मजदूरों ने इसके खिलाफ इंडस्ट्रियल कोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के उडश्कऊकाल के दौरान लिमिटेशन बढ़ाने वाले निदेर्शों (फरवरी 2022 तक) का हवाला देते हुए देरी को माफ कर दिया और मामले को योग्यता के आधार पर फैसले के लिए लेबर कोर्ट को वापस भेज दिया। इंडस्ट्रियल कोर्ट के रिमांड आदेश को चुनौती देते हुए नियोक्ता ने हाईकोर्ट में तर्क दिया कि उडश्कऊअवधि हटाने के बाद भी करीब 15 महीने की बिना स्पष्टीकरण की देरी बनी रहती है और बंद का मुद्दा पहले ही अंतिम रूप ले चुका है। इन दलीलों को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इंडस्ट्रियल कोर्ट ने सही उदार रुख अपनाया है। मजदूरों ने स्पष्ट रूप से अशिक्षा और कानूनी प्रावधानों की जानकारी न होने की बात कही थी और देरी का बड़ा हिस्सा महामारी काल से जुड़ा था। कोर्ट ने दोहराया कि श्रम कानून फायदेमंद होते हैं और ऐसे मामलों में अत्यधिक तकनीकी रवैया अपनाने से बचना चाहिए।

करियर बनाने का सुनहरा अवसर

इंदौर। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित एवं एन.सी.एच.एम.सी.टी., नोएडा से मान्यता प्राप्त स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर होटल उद्योग में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है। राऊ स्थित यह संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम प्रदान करता है। साथ ही इंदौर भारत का सबसे स्वच्छ शहर होने के साथ यहाँ सौम्य जलवायु, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, आईआईटीझआईआईएम जैसे शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक केंद्र, कम जीवन-व्यय तथा विकसित होटल उद्योग के कारण विद्यार्थियों की पहली पसंद बना हुआ है। उज्जैन-ओंकारेश्वर की निकटता और व्यावसायिक गतिशीलता भी इंदौर शहर की प्रमुख विशेषता है।

सुख की खोज और धर्म

सुख की कामना मिटती नहीं। कोई व्यक्ति सुख-दुख की सीमाओं से परे कैसे जा सकता है? सुख की इच्छा प्रत्येक प्राणी की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। संसार में ऐसा कोई जीव नहीं है, जो सुख चाहता न हो और दुख से बचना न चाहता हो। कीट-पतंगों से लेकर मनुष्य तक, सभी शांति और सुख की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं। इन सभी प्राणियों में मनुष्य सबसे अधिक विकसित और बुद्धिमान है।

मनुष्य और पशु के बीच मूलभूत अंतर उनके सुख की अवधारणा में निहित है। पशुओं का सुख मुख्यतः शरीर-केंद्रित होता है। यदि उन्हें पर्याप्त भोजन मिल जाए और सोने के लिए सुरक्षित स्थान हो, तो वे संतुष्ट रहते हैं। बहुत कम पशु मानसिक शांति या जीवन के गहरे अर्थ को लेकर चिंतित होते हैं। इसके विपरीत मनुष्य एक विवेकशील प्राणी है। वह जानता है कि भौतिक सुख सीमित हैं और वे स्थायी आनंद नहीं दे सकते। जब से मानव जीवन अस्तित्व में आया है, मनुष्य शाश्वत सुख की खोज में लगा हुआ है। अनुभव ने उसे सिखाया है कि अच्छा भोजन, सुंदर वस्त्र, आरामदायक घर या भौतिक संपत्ति- इनमें से कोई भी स्थायी सुख नहीं दे सकता। जैसे, रसगुल्ला खाने पर क्षणिक आनंद मिलता है, पर निगलते ही उसका स्वाद समाप्त हो जाता है। उसी तरह सुख क्षणिक है, वस्तु सीमित है, इसलिए उससे मिलने वाला आनंद भी सीमित ही होगा। यहां स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि स्थायी सुख का स्रोत क्या है? उत्तर सरल है- जो स्वयं असीम है, वही असीम और शाश्वत आनंद दे सकता है। सीमित वस्तु अनंत सुख कैसे दे सकती है? सांसारिक ज्ञान सीमित है। चाहे संसार में कितनी ही पुस्तकें क्यों न हों, उनमें संचित ज्ञान की सीमा तय है। इसके विपरीत ब्रह्म विद्या या सहज ज्ञान असीम है। शास्त्रों में इसको ही आध्यात्मिक विज्ञान कहा गया है। जब तक मनुष्य उस अनंत सत्ता की ओर नहीं बढ़ता, तब तक वह स्थायी सुख प्राप्त नहीं कर सकता।

सम्पादकीय

कितना लाभ ले पाएगा

भारत और अमेरिका के बीच 2 फरवरी, 2026 को हुए प्रारंभिक व्यापार समझौते की घोषणा दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों में एक अहम बदलाव दिखाती है। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किए जाने से यह समझौता हमारे निर्यातकों पर तात्कालिक दबाव कम करता है, साथ ही लेन-देन के उस तर्क को भी रेखांकित करता है, जो दूसरे देशों के साथ अमेरिका की आर्थिक नीतियों को नियंत्रित कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद घोषित व्यवस्था, टैरिफ में मिली राहत को रूस से तेल आयात को धीरे-धीरे कम करने और ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि व कोयला आदि क्षेत्रों में अमेरिका से अधिक खरीद के वादे से जोड़ती है। भारतीय अधिकारियों ने हालांकि इस समझौते को ऐतिहासिक व मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने वाला बताया है, लेकिन यह करार एक साल की कठिन बातचीत के बाद सामने आया है। इसमें लगे वक्त से अलग-अलग प्राथमिकताओं वाली दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की गहरी चुनौतियां भी स्पष्ट होती हैं। वैश्विक व्यापार की अनिश्चितताओं के बीच यह एक तरफ व्यावहारिक भू-राजनीतिक पैंतरेबाजी को उजागर करता है, तो दूसरी ओर ऊर्जा सुरक्षा के मामले में हमारी कमजोरियों और अमेरिका की टैरिफ कूटनीति की सीमाओं को भी रेखांकित करता है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार-वार्ता भारतीय टैरिफ सिस्टम, खासकर खेती व बौद्धिक संपदा से जुड़ी इसकी बड़ी बाधाओं को लेकर अमेरिकी शिकायतों की पृष्ठभूमि में हुई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को टैरिफ किंग बताया, जिसका नतीजा यह हुआ कि धीरे-धीरे दोनों तरफ टैरिफ बढ़े। अगस्त 2025 में यह 50 फीसदी शुल्क के रूप में सामने आया। रूस से रियायती दर पर तेल आयात के विरुद्ध जो अतिरिक्त शुल्क अमेरिका ने लगाया, वह भारत की ऊर्जा चिंताओं के प्रति अमेरिकी रुख में एक बड़ा बदलाव था। भारतीय निर्यातकों, खासकर वस्त्र, रसायन व दवा क्षेत्र के कारोबारियों पर काफी ज्यादा असर पड़ा। नतीजतन, अमेरिका के साथ नई दिल्ली का ट्रेड सरप्लस तेजी से कम हो गया। अप्रैल 2025 में जो ट्रेड सरप्लस 3.17 बिलियन डॉलर था, वह घटकर नवंबर तक 1.73 बिलियन डॉलर रह गया। भारत के लिए, चुनौती कई तरह की थी : सस्ती ऊर्जा आपूर्ति को बनाए रखना और मॉस्को से अलग होने के अमेरिकी दबाव से निपटना। गौर कीजिए, 2025 में भारत के कुल तेल आयात में रूस का हिस्सा 40 प्रतिशत से ज्यादा था।

आम बजटः- 2026

ग्रामीण समृद्धि की रीढ़ बनेगा पशुधन

प्रमोद भार्गव (दैनिक अवन्तिका)

ग्राम और ग्रामीण की समृद्धि की रीढ़ अब केवल खेती-किसानी तक सीमित नहीं रह गई है, इस आम बजट में सरकार ने पशुधन से पशुपालकों और दुग्धउत्पादकों की आय बढ़ाने के ठोस उपाय किर दिए हैं।इससे रोजगार बढने के साथ दैनिक और मासिक आमदनी में स्थिरता आएगी।खेती पर बढ़ते संकट कम होंगे।पशुधन, मुर्गी व मत्स्य पालन ग्रामीणों की आजीविका के भरोसे के सहारा बनेंगे।यह पशुधन स्वस्थ्य बना रहे, इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 20 हजार से अधिक पशु चिकित्सकों की उपलब्धता भी तय की गई है।ताकि गांव में ही त्वरित इलाज की सुविधा मिले।फिलहाल देश में पशु-चिकित्सकों की बहुत कमी है,इस कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा है।इस कमी को दूर करने के लिए डेढ़ लाख पशु देखभाल प्रशिक्षित सेवकों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी।इस उपाय से दुधारू पशुओं की असमय मृत्यु में कमी आएगी।यदि पालतू पशुओं को आरक्षित वनों में चरने की छूट दे दी जाती है तो सड़क दुर्घटनाओं में पशुओं के मरने में तो कमी आएगी ही,पौष्टिक चारा मिलने से दूध भी पौष्टिक होगा।

पशुधन की महिमा इस तथ्य से जानी जा सकती है कि खेती से होने वाली कुल आय में करीब 16 प्रतिशत की भागीदारी पशुपालन और उनसे उत्पादित आहार से है।इस आय में लगातार पिछले ग्यारह साल से 12.77 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि हो रही है।यानी खेती जहां लघु व मध्यम किसानों के लिए घाटे का सौदा बनी हुई है, वहीं पशुपालन ग्रामीणों को भरोसे की आय का साधन बन गया है।भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले सोपान पर है। विश्व के कुल दूध उत्पादन में भारत 25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। बीते 10 साल में देश में दूध का उत्पादन लगभग 57 प्रतिशत बढ़ा है। नतीजतन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 2024-25 में 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। 9 वर्ष पहले यह उपलब्ता महज 300 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन थी। कुछ साल पहले दुग्ध उत्पादों के आयात की संभावना जताई जाने लगी थी। किंतु अब पशु संवर्धन के लिए किए गए प्रयास रंग दिखाने लगे हैं। बीते एक दशक में दूध के उत्पादन एवं उत्पादकता में आजादी के बाद से सर्वाधिक वृद्धि हुई है। दूध की उपलब्धता बढ़ी तो भारतीयों के खान-पान की आदत में दूध और उसके उत्पादों का सेवन व खपत भी बढ़ गई। अब प्रत्येक भारतीय दुनिया में औसत खपत में से 65 ग्राम अधिक दूध पीने लगा है। दूध की वैश्विक औसत खपत फिलहाल लगभ 328 ग्राम प्रति व्यक्ति है।मुर्गी एवं मत्स्य पालन के साथ जलीय कृषि को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।इसीलिए अमेरिका जैसे देश भारत के दूध बाजार को हड़पना चाहते हैं।भारत ने अमेरिका के लिए निर्मित वस्तुओं को बाजार नहीं खोले तो अनर्गल टैरिफ लगा दिए।

पशुधन का संरक्षण इसलिए जरुरी है, क्योंकि ग्रामों में दूध नियमित नकद आय का पुख्ता आधार बना हुआ है।ग्रामीण रोजगार और अर्थव्यवस्था में इसकी बड़ी भागीदारी है। देश में 2019 में हुई 20 वीं पशुधन गणना के अनुसार करीब 14 करोड़ गाएं और 11 करोड़ भैंसें हैं।याक,ऊंट,भेड़ और बकरी भी दुधारू पशुओं में गिने जाते हैं।हालांकि अभी तक हमारा राष्ट्रीय आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो महज 20 फीसदी पशुओं का ही आनुवंशिक वर्गीकरण कर पाया है। इससे पता चलता है कि हम अपने पशुधन के प्रति कितने लापरवाह हैं। जबकि घरेलू नस्ल के दुधारू जानवरों को स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों में पलने-बढ़ने व वंश वृद्धि में ज्यादा मजबूत और जुझारु पाया जाता है। ये पशु जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बर्दाश्त करने में भी ज्यादा समर्थ होते हैं।भारत दूध उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश है।फिर भी दूध की आपूर्ति सिंथेटिक दूध बनाकर और पानी मिलाकर की जा रही है। यूरिया से भी दूध बनाया जा रहा है। दूध की बढ़ती मांग के कारण दूध का कारोबार गांव-गांव फैल गया है।

जैविक तकनीक के क्षेत्र में भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र में देश में पहली बार ई-3 (इकोनोमी एनवायरमेंट, एमप्लायमेंट) नीति कुछ समय पहले जारी की हुई है। इसके तहत दूध, खाद्यान्न, पर्यावरण सहित आम जनजीवन के सामने खड़ी होने वाली प्रत्येक चुनौती से निपटने की तैयारी है। इस क्षेत्र में फिलहाल जनता को सबसे बड़ा लाभ जैविक दूध के रूप में मिलने वाला है। पशुधन के बिना मिलने वाला यह जैविक दूध, दूध की कमी पूरा करने के साथ पौष्टिक भी होगा। यह नई औद्योगिक क्रांति, जैव तकनीक और बायो मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में होगी। आईटी क्रांति की तरह जैविक दूध और खाद्य सामग्री अभी भले ही लोगों को एक चौंकाने वाली बात लग रही हो, लेकिन भविष्य की जरूरतें इसी से पूरी होंगी। यह दूध केवल जैविक उत्पादों से तैयार होगा। इसमें रसायन का प्रयोग कतई नहीं होगा।

अब तक बिना किसी सरकारी मदद के दूध का कारोबार फलता-फूलता रहा है। दूध का 70 फीसद कारोबार असंगठित ढांचा संभाल रहा है। इस व्यापार में लगे ज्यादातर लोग अशिक्षित हैं। लेकिन पारंपरिक ज्ञान से न केवल वे दुग्ध उत्पादन में दक्ष हैं, बल्कि दूध के सह-उत्पाद बनाने में भी कुशल हैं। दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित क्षेत्र, मसलन दूध डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध के उत्पादन से 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की भी अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण संस्थाएं केवल दो प्रतिशत हैं। बावजूद वे अशिक्षित किंतु पारंपरिक ज्ञान से कुशल ग्रामीण स्त्री-पुरुष ही हैं, जो दूध का देशी उपायों से प्रसंस्करण करके दही, घी, मक्खन, पनीर आदि बना रहे हैं। इस कारोबार की विलक्षण खूबी यह भी है कि इससे सात करोड़ से ज्यादा लोगों की आजीविका चलती है। एक अनुमान क अनुसार भविष्य में जलवायु परिवर्तन और उच्च तापमान के चलते, सालाना दूध उत्पादन में 32 लाख टन की कमी आ सकती है। इस दूध का मूल्य 5,000 करोड़ रुपए के बराबर होगा। इसलिए जरुरी है कि दुधारू पशुओं की सभी प्रजातियों की नस्लों का संरक्षण व संवर्धन किया जाए।इस दृष्टि से 20 हजार पशु चिकित्सक, डेढ़ लाख दक्ष पशु सेवा प्रदाताओं के प्रबंध के साथ, 84 पशु चिकित्सा महाविद्यालय खोलने का प्रावधान इस बजट में किया गया है।

दो-एक्कम-दो, दो-दूनी-चार

कहानी उस रहस्यमयी वस्तु से शुरू होती है, जिसका आकार किसी आतंकी संगठन के गुप्त दस्तावेज से छोटा, मगर प्रभाव हिरोशिमा के धमाके से ज्यादा था। वह कोई बम नहीं था, मगर उसे देखते ही सत्तर प्रतिशत बच्चों का हाजमा खराब हो जाता था। वह एक ऐसी 'पहाड़े' की किताब थी जिसके लिए कभी 'गाइड' नहीं बनी, क्योंकि मौत के लिए कोई मैनुअल नहीं आता। जैसे ही एक अबोध बालक अंकों की दुनिया का वीजा लेकर पहली से दूसरी कक्षा के इमिग्रेशन काउंटर पर पहुँचता, उसके झोले में वह अदृश्य डायन चुपके से डाल दी जाती। वह वजन में महज दस पन्नों की थी, पर उसकी हस्ती सामाजिक विज्ञान और भारी-भरकम विज्ञान की किताबों को वैसे ही बौना कर देती थी जैसे किसी बाहुबली के सामने एक छोटा सा 'डेथ वारंट'। सवाल यह था कि इसे बनाया किसने? किसने उस स्याही में बच्चों के आँसू मिलाए थे? घर में नई किताबों का शोर मचता, तो माँ-बाप सब खरीद लाते, पर उस 'महाग्रंथ' के नाम पर वही पुरानी, कोनों से मुड़ी हुई, बड़े भाई की थूक से सनी और शल्यावस्था में पहुँची लाश थमा दी जाती। तर्क यह दिया जाता कि गणित के नियम तो शाश्वत हैं, वे किसी फैशन की तरह नहीं बदलते। कहते– ₹कांई रे छोरा, ईं पुरानी पोथी ने देखर रोवै क्यूं है? अक्कल चराबा गई है कांई? बापू की है, फेर थारे भाई की हुई, अब थारी है! ज्ञान कदे ई जुणो कोनी होवै, और गणित तो वै ई रैवैली जो म्हारै टेम ही!₹ यह कहकर वह दस पैसे वाली तबाही आपके सुपुर्द कर दी जाती और यहीं से उस सस्पेंस की नींव पड़ती कि क्या आप तीसरी कक्षा का सूरज देख पाएंगे या इस 'दो-दूनी-चार' के चक्कर में ही शहीद हो जाएंगे? उस फटी हुई किताब की गंध आज भी नाकों में वैसी ही है जैसे किसी पुराने गुनाह की याद।

उस किताब का असली आतंक तब शुरू होता जब 'एक का पहाड़ा' (जो सबको मुफ़्त के ज्ञान की तरह आता था) खत्म होकर 'दो के पहाड़े' की दहलीज पर दम तोड़ता। मास्टर साहब एक ऐसी विशेष रागिनी में शुरू करते जो न तो हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में थी, न ही कर्नाटक संगीत में। वह 'टेबल्स' का नहीं, 'टैबल्स' का मातम था। दो-एकम-दो, दो-दूनी-चार... की वो लय ऐसी थी कि अगर आप उसे किसी संगीत सभा में गा दें तो गायक आत्मदाह कर ले।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 05 फरवरी 2027 गुरूवार
सूर्योदय - 07:10 सूर्यास्त 18:12
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 13:30 से 15:00 तक
तिथि - चतुर्थी 24:22 उपरांत पंचमी
नक्षत्र - उत्तराफाल्गुनी 22:57 उपरांत हस्त
योग - सुकर्मा 24:04 उपरांत धृति
करण - बव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण कन्या में रहेगा
मुस्लिम मास - सावान मास 16 तारिख

मेष- रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। नम्रता बनाए रखें।

वृषभ- प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। खर्चों में कमी करना होगी।

मिथुन- पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क- दिन प्रतिकूल रह सकता है। सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

सिंह- रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या- नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा। लाभ होगा। रिश्वत न लें।

तुला- नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

वृश्चिक- अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा। व्यापार सामान्य चलेगा।

धनु- आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर- योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कुंभ- आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। यात्रा में सावधानी रखें।

मीन- जल्दबाजी एवं लापरवाही से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
(भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

दूरगामी सोच वाला बजट

भारत सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवीं बार और भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार रविवार, एक फरवरी को देश का बजट प्रस्तुत कर यह स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता तात्कालिक लोकलुभावन घोषणाओं से अधिक दीर्घकालीन राष्ट्र निर्माण है। आजादी की 80वीं वर्षगांठ से पहले भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह बजट एक ठोस संकेत देता है।

अरविन्द रावल (दैनिक अवन्तिका)

इस बजट की सबसे महत्वपूर्ण और मानवीय घोषणा कैंसर व दुर्लभ बीमारियों में प्रयुक्त जीवनरक्षक दवाओं पर आयात शुल्क समाप्त करना रही, जिससे लाखों मरीजों को सीधी राहत मिलेगी। जबकि विपक्ष हमेशा सरकार पर आम आदमी की उपेक्षा का आरोप लगाता रहा है, यह निर्णय उस आरोप को कमजोर करता है। सरकार ने यह भी साफ किया है कि भारत को केवल इलाज का केंद्र ही नहीं, बल्कि विश्वसनीय मेडिकल टूरिज्म हब बनाने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

भारत की चिकित्सा सेवाएं पहले से ही दुनिया के कई विकसित देशों की तुलना में सस्ती और प्रभावी हैं। इसी क्षमता को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से बजट में तीन नए एम्स और पाँच मेडिकल हब स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। इससे न केवल स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ेंगी, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार भी सृजित होंगे जिस पर विपक्ष अक्सर सरकार को घेरता रहा है । महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की बात करते हुए सरकार ने देशभर के जिलों में बालिकाओं के लिए गर्ल्स हॉस्टल निर्माण का निर्णय लिया है। यह फैसला उन आलोचकों के लिए जवाब है जो सरकार को केवल चुनावी राजनीति तक सीमित बताते हैं। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उठाए गए कदम इस बजट की एक और मजबूत कड़ी हैं। यह सही है कि इस बजट में बड़े उद्योगपतियों या वेतनभोगी वर्ग के लिए कोई आकर्षक घोषणा नहीं की गई, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि सरकार ने चिकित्सा, शिक्षा, सुरक्षा और कृषि को तकनीक से जोड़कर देश की नींव मजबूत करने का प्रयास किया है। ऐसे बजट का प्रभाव तुरंत नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों में दिखाई देगा । स्वाभाविक है कि विपक्ष और कुछ वर्गों को यह बजट पहली नजर में निराशाजनक लग सकता है, क्योंकि यह ह्यतुरंत लाभह्न देने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम अप्रत्यक्ष, लेकिन दूरदर्शी निर्णयों के लिए जानी जाती है। यही कारण है कि यह बजट समझने वालों को विकसित भारत की दिशा में मजबूत कदम लगेगा, जबकि समझ से परे रहने वालों के लिए यह महज आंकड़ों का पुलिंदा बनकर रह जाएगा।

शीर्षक - बजट 2026

संसद भवन में कर बजट 2026 की गरिमामय प्रस्तुति,
आ. सीतारमण जी ने बताई आगामी विकास की युक्ति,
विकसित हो भारत सक्षम हो भारत पर दिया गया जोर,
पर 2026 का बजट जनता की नजरों में रहा कमजोर ।
सभी राज्यों की अपेक्षाएं और उम्मीदें थी थोड़ी ज्यादा,
किंतु बजट आया विकास को वेग देता हुआ कुछ सादा,
वित्त मंत्री की बजट घोषणा से विपक्ष भी हुआ मायूस,
सरकार ने एक-एक कर खून पसीना सब लिया है चूस ।
बजट ने समग्र भारत के विकास की ओर दौड़ाई नजरें,
आई कुछ मन को भी संतोष देने वाली आनंद खबरें,
सैन्य शक्ति को किया गया और भी अधिक बलशाली,
देश होगा और भी अधिक आत्मनिर्भर बढ़ेंगी खुशहाली ।

मोनिका डागा (दैनिक अवन्तिका)

मासिक धर्म और सैनिटरी पैडः स्कूलों में गरिमा की परीक्षा

प्रियंका सौरभ (दैनिक अवन्तिका)

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूलों में छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने और मासिक धर्म स्वच्छता को अनिवार्य करने संबंधी निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज की उस सामूहिक सोच को आईना दिखाते हैं, जिसमें आज भी मासिक धर्म को संकोच, चुप्पी और उपेक्षा के साथ देखा जाता है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि मासिक धर्म महज स्वास्थ्य या स्वच्छता का मुद्दा नहीं, बल्कि गरिमा, समानता और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा एक गंभीर संवैधानिक प्रश्न है।

भारत जैसे देश में, जहाँ संविधान समानता और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है, वहाँ लाखों छात्राओं का मासिक धर्म के दौरान असुरक्षित और अपमानजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करने को मजबूर होना व्यवस्था की गहरी विफलता को उजागर करता है। अदालत का यह हस्तक्षेप इसी विफलता को दूर करने की दिशा में एक आवश्यक कदम है। यह याद दिलाता है कि अधिकार केवल कागजों में दर्ज घोषणाएँ नहीं होते, बल्कि उनका वास्तविक अर्थ तभी है, जब वे जमीनी हकीकत में दिखाई दें।

मासिक धर्म को लंबे समय तक केवल एक जैविक प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज किया जाता रहा है। परिणामस्वरूप यह विषय स्वास्थ्य मंत्रालय या स्कूल प्रबंधन की सीमित जिम्मेदारी बनकर रह गया। सच्चाई यह है कि मासिक धर्म सामाजिक, शैक्षिक और मानसिक स्तर पर गहरे प्रभाव डालता है। स्वच्छता सुविधाओं और सही जानकारी के अभाव में छात्राओं को न केवल संक्रमण और बीमारियों का खतरा रहता है, बल्कि शर्म और भय के कारण वे नियमित रूप से स्कूल आने से भी कतराने लगती हैं। कई मामलों में यह स्थिति स्थायी स्कूल ड्रॉपआउट का कारण बन जाती है।

अनेक अध्ययन यह दर्शाते हैं कि मासिक धर्म के दौरान उचित प्रबंधन की कमी के कारण बड़ी संख्या में किशोरियाँ हर महीने कई दिनों तक स्कूल नहीं जातीं। यह अनुपस्थिति धीरे-धीरे सीखने की प्रक्रिया को कमजोर करती है और अंततः शिक्षा से पूरी तरह कट जाने का जोखिम बढ़ा देती है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में ह्यसबके लिए शिक्षाह्न के लक्ष्य के प्रति ईमानदार हैं, या यह केवल नीतिगत दस्तावेजों तक सीमित नारा बनकर रह गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में इस तथ्य को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी सीधे तौर पर शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। जब स्कूलों में अलग और स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, साबुन और सैनिटरी पैड जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होतीं, तो छात्राओं के लिए नियमित रूप से विद्यालय जाना व्यावहारिक रूप से कठिन हो जाता है। यह स्थिति लैंगिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि जहाँ लड़कों की शिक्षा बिना किसी जैविक बाधा के चलती रहती है, वहीं लड़कियों को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण पीछे धकेल दिया जाता है।

यह असमानता संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 की भावना के विरुद्ध है, जो समानता और भेदभाव-रहित समाज की अवधारणा को आधार प्रदान करते हैं। केवल अवसर की समानता पर्याप्त नहीं होती, जब तक उस अवसर तक पहुँचने के साधन भी समान न हों। मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी करके हम अनजाने में ही लड़कियों को उस बराबरी से वंचित कर देते हैं, जिसका वादा संविधान करता है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5950 से 6000 डंकी चना 5200 से 5500 विशाल 5775 से 5800 मसूर 5700 से 5750 महाराष्ट्र सफेद 7900 से 8100 महाराष्ट्र लाल 8200 से $400 कर्नाटक नई 8700 से 9100 निमाड़ी नई तुअर 7000 से 8200 मूंग बेस्ट गर्मी 7500 से 7800 मूंग बेस्ट बोल्ड 8100 से 8200 एवरेज 6500 से 6700 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8000 से 8500 एवरेज 6500 से 7200 हल्का उड़द 3000 से 5000 काबुली डॉलर 8000 से 8500 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5000 से 5200 सरसों (मीडियम) 7800 से 8100 निमाड़ी 8200 से 8300 रायडा 5800 से 6100 सोयाबीन 4600 से 4800 अलसी 7800 से 8000 तिल्ली 7000 से 8500 टोली गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से 2700 लोकवन 2850 से 2900 पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज 2725 से 2750 मक्का 1700 से 1730 चना दाल 7100 से 7200 मीडियम 7300 से 7400 बेस्ट 7600 से 7800 तुअर दाल 9200 से 9400 मीडियम 10400 से 10600 बेस्ट 11700 से 11800 एक्स्ट्रा बेस्ट 12600 से 12700 ब्रांडेड 13800 मूंग दाल 9350 से 9450 बेस्ट 9850 से 10150 मूंग मोगर 9850 से 10050 बेस्ट 10150 से 10250 उड़द दाल 10100 से 10300 बेस्ट 10600 से 10800 उड़द मोगर 11100 से 11300 बेस्ट 11400 से 11700 मसूर दाल 7500 से 7600 बेस्ट 7700 से 7800 रुपए प्रति क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1180-2900 चना काबली- 4751-6880, चना बड़ा- 5244-6880, बटला- 4640, उड़द- 6690, धनिया- 8551, सोयाबीन- 1403-6150, मैथीदाना- 4720, असली- 6100, मावा- 280 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,62,500, रवा- 1,62,000 चांदी- टंच- 2,84,000 पाट- 2,83,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

धर्म-आस्था

सुंदरकांड का एक दोहा और सनातन विज्ञान की अद्भुत उड़ान

अजयकुमार बियाणी (दैनिक अवन्तिका)

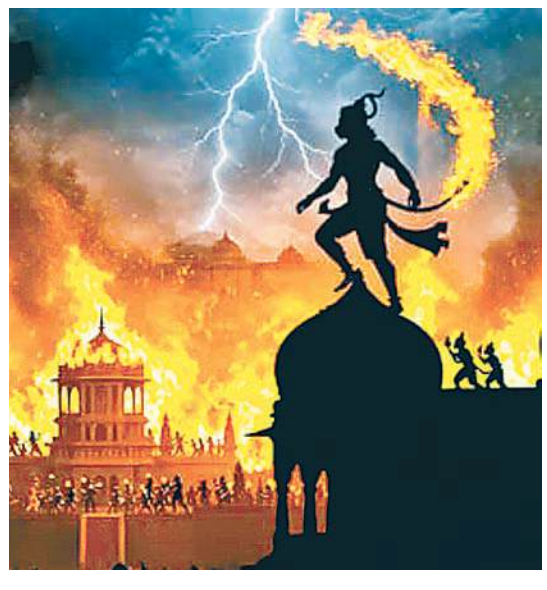

सुंदरकांड का पाठ करते समय कई बार भाव प्रवाह में शब्द बह जाते हैं, लेकिन कभी-कभी कोई दोहा मन को वहीं रोक लेता है। ऐसा ही एक क्षण तब आया जब लंका दहन के प्रसंग में तुलसीदास जी का यह दोहा सामने आया– हरि प्रेरित तेहि अवसर चले मरुत उनचास। अट्टहास करि गर्जा कपि बढ़ि लाग अकास। पहली दृष्टि में यह केवल हनुमान जी की विराटता और प्रभु की प्रेरणा का चित्रण लगता है, पर मरुत उनचास शब्द मन में प्रश्न छोड़ जाता है। ये उनचास पवन कौन से हैं? तुलसीदास जी ने इनका विस्तार से उल्लेख नहीं किया, मानो वे पाठक की जिज्ञासा को स्वयं जागृत करना चाहते हों।

सुंदरकांड पूर्ण होने के बाद जब इस एक शब्द पर मन टिक गया और खोज शुरू हुई, तब जो तथ्य सामने आए, वे केवल धार्मिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी विस्मयकारी लगे। सनातन परंपरा में वायु को केवल हवा नहीं माना गया, बल्कि उसे एक सजीव, संरचित और बहुस्तरीय शक्ति के रूप में समझा गया है। आम धारणा यही है कि वायु एक ही होती है–कभी ठंडी, कभी गर्म, कभी मंद, कभी प्रचंड। लेकिन वेद-पुराण इससे कहीं आगे की बात कहते हैं।

वेदों में वायु की सात प्रमुख शाखाओं का विस्तृत वर्णन मिलता है, जिनका कार्यक्षेत्र पृथ्वी से लेकर ब्रह्मांडीय मंडलों तक फैला हुआ है। पृथ्वी और मेघमंडल के बीच प्रवह वायु कार्य करती है, जो बादलों को संचालित करती है और वर्षा की प्रक्रिया को संभव बनाती है। सूर्यमंडल में आवह वायु, चंद्रलोक में उद्वह, नक्षत्र मंडल में संवह, ग्रह मंडल में विवह, सप्तर्षि मंडल में परिवह और ध्रुव से संबद्ध परावह–ये सभी वायु केवल कल्पना नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित ब्रह्मांडीय व्यवस्था का संकेत देती हैं।

यहीं से मरुत उनचास का रहस्य खुलता है। इन सात प्रमुख वायु शाखाओं के सात-सात गण बताए गए हैं, जो ब्रह्मलोक, इंद्रलोक, अंतरिक्ष और भूलोक की चारों दिशाओं में विचरण करते हैं। इस प्रकार सात गुणा सात–कुल उनचास मरुत। यही वे उनचास पवन हैं, जिनका उल्लेख तुलसीदास जी ने केवल दो शब्दों में कर दिया, लेकिन जिनके पीछे विशाल वैदिक ज्ञान छिपा है।

यह जानकर आश्चर्य होता है कि जिस ज्ञान को आज आधुनिक विज्ञान धीरे-धीरे समझने का प्रयास कर रहा है, उसकी झलक हमारे धर्मग्रंथों में सदियों पहले मौजूद है। तुलसीदास जी जैसे संत कवि केवल भक्ति के रचनाकार नहीं थे, वे उस परंपरा के वाहक थे, जहाँ अध्यात्म और विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक थे। रामायण, गीता या वेदों को हम अक्सर श्रद्धा से पढ़ते हैं, लेकिन यदि थोड़ा रुककर, प्रश्न पूछकर और मनन करके पढ़ा जाए, तो हर श्लोक और हर दोहा नए अर्थ खोल देता है। सुंदरकांड का यह एक दोहा हमें यही सिखाता है कि सनातन धर्म केवल आस्था नहीं, गहन अध्ययन और विवेक की परंपरा भी है। शायद यही कारण है कि जितना गहराई में उतरिए, उतना ही गर्व और विस्मय दोनों बढ़ते जाते हैं।

होटल एवं अन्य संस्थानों में बाल श्रम पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कार्यवाही करें- कलेक्टर

आगर मालवा। जिले में होटल एवं अन्य संस्थानों में बाल श्रम पर प्रभावी नियंत्रण हेतु निरंतर कार्रवाई की जाए तथा बाल श्रमिक पाए जाने पर संबंधित नियोजकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव ने सोमवार को जिले की बाल श्रम टास्क फोर्स की बैठक में दिए। कलेक्टर सभाकक्ष में आयेजित बैठक में अपर कलेक्टर आरपी वर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश देहलवार, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजीव गुप्ता, जिला रोजगार अधिकारी संजीव पाटील सहित टास्क फोर्स के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सहायक श्रम पदाधिकारी बी.एल. राठौर द्वारा बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बाल श्रम उन्मूलन हेतु किए जा रहे प्रयासों, कानूनी प्रावधानों एवं सतत जागरूकता अभियानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बाल श्रम रोकथाम के लिए गठित जिला स्तरीय दल द्वारा निरंतर भ्रमण किए जाने से बाल श्रम के नियोजन पर प्रभावी अंकुश लगा है। बैठक में बाल श्रम उन्मूलन में पेंसिल पोर्टल की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए इसके अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया।

गऊ, गंगा और नारी के संरक्षण का संकल्प

एनएसयूआई ने स्कूलों में शुरू किया विशेष जागरूकता अभियान

शाजापुर। नई पीढ़ी को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति की जड़ों से जोड़ने के उद्देश्य से शाजापुर जिले में एक सार्थक पहल की शुरूआत हुई। राष्ट्र निर्माण में छात्रों की भूमिका को अहम मानते हुए, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने गाय बचेगी, संस्कृति बचेगी, जीवन बचेगा के संदेश के साथ जिले में एक व्यापक जन-जागरण अभियान छेड़ा। दो दिवसीय छात्र जागरूकता अभियान का विधिवत शुभारंभ बेरछा स्थित शासकीय स्कूल परिसर से सोमवार को किया गया। कार्यक्रम के दौरान एनएसयूआई कार्यकताओं ने भारतीय संस्कृति के तीन प्रमुख आधार स्तंभों गऊ (गाय), गंगा (पवित्र नदी) और नारी (महिला शक्ति) के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, गाय केवल एक पशु नहीं बल्कि हमारी संस्कृति की परिचायक है, गंगा केवल नदी नहीं बल्कि हमारी आस्था का प्रवाह है, और नारी का सम्मान ही सभ्य समाज की पहचान है। कार्यकताओं ने छात्रों को समझाया कि इन प्रतीकों का संरक्षण और सम्मान किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे न केवल इन मूल्यों को अपने व्यक्तिगत जीवन में उतारें, बल्कि अपने परिवार और आसपास के समाज में भी इसके प्रति जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

अस्पताल में डॉक्टरों की तत्परता से बची युवक की जान

गले में फंसी चिकन की हड्डी का सफल ऑपरेशन, मरीज स्वस्थ

शाजापुर। समय पर इलाज और डॉक्टरों की कुशलता से एक युवक की गंभीर समस्या का सफल समाधान जिला चिकित्सालय शाजापुर में किया गया। कांजा, शाजापुर निवासी कन्हैयालाल पिता दशरथ (उम्र 24 वर्ष) को सोमवार सुबह करीब 11 बजे जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां उसके गले में चिकन की हड्डी फंसी हुई थी। जानकारी के अनुसार, युवक के गले में बीती रात चिकन खाते समय हड्डी फंस गई थी, जिससे उसे सांस लेने और निगलने में काफी तकलीफ हो रही थी। लगातार परेशानी बढ़ने पर परिजन उसे जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर तेजपाल सिंह जादौन एवं उनकी मेडिकल टीम ने तुरंत उपचार शुरू किया और सफल ऑपरेशन कर गले में फंसी चिकन की हड्डी को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत अब पूरी तरह सामान्य बताई जा रही है। परिजनों ने डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ की तत्परता व संवेदनशीलता की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

विधायक भीमावद की दोहरी सौगात

146 छात्रों को मिलीं साइकिलें, जल्द शुरू होगा स्कूल के नए भवन का काम

शाजापुर। जिले के मोहन बड़ोदिया में शिक्षा की राह अब और आसान होगी। सोमवार का दिन शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के छात्रों के लिए दोहरी खुशी लेकर आया, क्योंकि एक तरफ जहां विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने के लिए निःशुल्क साइकिलें मिलीं, वहीं दूसरी तरफ स्कूल को नए भवन की बड़ी सौगात मिली। वार्षिक उत्सव के मंच से मुख्य अतिथि और क्षेत्रीय विधायक अरुण भीमावद ने स्कूल के विकास को लेकर कई अहम घोषणाएं कीं। विद्यालय परिसर में आयोजित भव्य समारोह के दौरान कक्षा 9वीं में अध्ययनरत कुल 146 पात्र छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। विधायक के हाथों अपनी नई साइकिल पाकर छात्रों के चेहरे खिल उठे। इस योजना का उद्देश्य दूर-दराज से आने वाले छात्रों की राह को सुगम बनाना है, ताकि उनकी पढ़ाई में कोई बाधा न आए। साइकिल वितरण के साथ ही विद्यालय का वार्षिक उत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान खेलकूद, सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। राज्य, संभाग और जिला स्तर पर स्कूल का नाम रोशन करने वाले होनहारों को अतिथियों ने शील्ड और प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अरुण भीमावद ने स्कूल प्रबंधन और छात्रों को एक बड़ी खुशखबरी दी। उन्होंने मंच से घोषणा की कि विद्यालय के नए भवन निर्माण को शासन से स्वीकृति मिल गई है और इसका निर्माण कार्य अति शीघ्र शुरू कर दिया जाएगा। साथ ही स्कूल परिसर को व्यवस्थित और सुंदर बनाने के लिए पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे। छात्रों को पीने के पानी की दिक्कत न हो, इसके लिए स्कूल में नया ट्यूबवेल खनन करवाया जाएगा। विधायक ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को सुधारने और संसाधनों की कमी को दूर करने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

साहब की चोरी पकड़ाई तो गरीब मजदूरों को फंसा दिया

विद्युत कंपनी व पुलिस की मिलीभगत से 6 निर्दोषों पर एफआईआर साक्ष्य होने का दावा, मामला कीमती शासकीय सामान बेचने का

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

शहर में विद्युत कंपनी और पुलिस विभाग के अधिकारियों की कथित मिलीभगत का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि शासकीय विद्युत सामग्री की अवैध बिक्री उजागर होने के बाद मामले से ध्यान हटाने के उद्देश्य से छह निर्दोष लोगों पर चोरी का प्रकरण दर्ज कर दिया गया। यह पूरा मामला शुजालपुर सिटी मंडी रोड स्थित 132 केवी विद्युत ग्रिड से जुड़ा हुआ है।

आरोपों के अनुसार ग्रिड पर पदस्थ सहायक अभियंता एई विजय ओझा ने बिना वरिष्ठ कार्यालय की अनुमति के ग्रिड परिसर में रखी लाखों रुपए मूल्य की शासकीय विद्युत सामग्री को कबाड़ के रूप में बेचने की बातचीत की। सामग्री देखने के बाद कबाड़ी से सौदा तय हुआ और तोल प्रक्रिया के बाद 1 लाख 22 हजार 500 रुपए की राशि एई को दी गई।

जब यह मामला मीडिया के संज्ञान में आया तो एई ने पुलिस से कथित रूप से मिलीभगत कर कबाड़ी, मजदूरों और वाहन चालक को चोरी का आरोपी बनवा दिया। पुलिस ने भी सम्पूर्ण जांच किए बना एक तरफा एफआईआर दर्ज कर दी। पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने जो भी कार्य किया वह सब विभागीय अधिकारियों के सामने और उनके आदेश पर किया गया। इस संबंध में सोमवार को जांच करने के लिए संभागीय अधिकारी विद्युत कंपनी योगेश कुमार माथूर शुजालपुर आए, जिनसे चर्चा का प्रयास किया तो उन्होने फोन नहीं उठाया। इसी प्रकार एई विजय ओझा ने भी चर्चा नहीं की।

यह है पूरा घटनाक्रम

29 जनवरी की शाम शहर के एक कबाड़ी को 132 केवी ग्रिड परिसर में बुलाकर वहां रखी तांबे की रॉड, कॉइल रिले, एल्यूमिनियम, लोहा, बैटरी सहित अन्य विद्युत उपकरण दिखाए गए। इसके बाद कीमत तय की गई। 30 जनवरी को कबाड़ी मजदूरों और किराए के वाहन के साथ ग्रिड परिसर पहुंचा। करीब दो घंटे तक स्क्रैप की तौल प्रक्रिया चली। वजन के बाद सामग्री वाहन में लोड कर दोपहर 1.10 बजे परिसर से बाहर ले जाई गई। इस दौरान विभागीय रजिस्टर में वाहन और व्यक्तियों की आवक-जावक दर्ज की गई, जिसमें सामग्री एई के आदेश से ले जाने का उल्लेख भी है। वाहन कबाड़ी के घर पहुंचा, जहां स्क्रैप उतारने की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान पुलिस वहां पहुंची और सामग्री को शासकीय बताते हुए वाहन सहित थाने ले आई। 30 जनवरी को इस संबंध में विद्युत कंपनी के अधिकारियों को कोई सूचना नहीं दी गई। 31 जनवरी को मीडिया द्वारा पूछताछ के बाद पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया।

इन लोगों पर दर्ज हुआ प्रकरण

सिटी थाना शुजालपुर में कार्यपालन अभियंता अरुण कुमार कनोजिया की सूचना पर कैलाश बागरी, जावेद खान, शकिल खान, आरिफ खान, इस्माइल खान एवं आमिर के विरुद्ध चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया। एफ आईआर में उल्लेख किया गया कि सामग्री 132 केवी उपकेंद्र से 220 केवी उपकेंद्र भेजी जानी थी, लेकिन वाहन चालक और अन्य लोग उसे वहां न ले जाकर कबाडी के घर ले गए। जबकि पीड़ितों का कहना है कि सामग्री विभागीय अधिकारी द्वारा बेची गई थी।

होटल में हुआ लेन-देन

आरोप है कि कबाड़ी से ली गई 1 लाख 22 हजार 500 रुपए की राशि 30 जनवरी को अकोदिया रोड स्थित मामा कैफे में ली गई। एई विजय ओझा दोपहर करीब 1.40 बजे बाइक से शकिल के साथ होटल पहुंचे और अंदर यह लेन-देन हुआ। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ, जो कि इस प्रतिनिधि के पास भी उपलब्ध है।

हमें झूठे मामले में फंसाया जा रहा

किराए का वाहन चलाने वाले कैलाश बागरी निवासी शीतलनगर शुजालपुर सिटी ने बताया कि 500 रुपए किराए में सामान ले जाने की बात तय हुई थी। उन्होंने अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रिड से सामान उठाकर कबाड़ी के घर पहुंचाया। इसके बावजूद उन्हें चोरी के मामले में फ ंसा दिया गया। वाहन पिछले चार दिनों से थाने में खड़ा है और किराया भी नहीं मिला।

वहीं कबाड़ी जावेद और शकिल ने बताया कि एई ने स्वयं ग्रिड परिसर में बुलाकर खुलेआम शासकीय सामग्री बेचने की बात कही थी। सौदा तय होने के बाद राशि भी दी गई। अब जब मामला उजागर

इनका कहना है

शुजालपुर के 132 केवी उपकेंद्र की विद्युत सामग्री कबाड़ी के यहां से पुलिस द्वारा जब्त किए जाने की जानकारी मिली है। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। जो भी दोषी पाया जाएगाए उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एस बी सक्सेना चीफ इंजीनियर प्रेषण एवं संचार विद्युत कंपनी जबलपुर

यदि सिटी थाना क्षेत्र में दर्ज चोरी के प्रकरण में निर्दोष लोगों को फंसाया गया है तो इसकी जांच की जाएगी।

निमेष देशमुख एसडीओपी शुजालपुर

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को हटाने पर भड़का जयस, 3 घंटे तक कलेक्ट्रेट में चला प्रदर्शन

चक्काजाम की चेतावनी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शहर की सड़कों पर आदिवासी समाज के आक्रोश की गूंज सुनाई दी। मामला ग्राम खोरियाएमा में एक आदिवासी महिला को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद से अचानक हटाए जाने का है, जिसके विरोध में जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन (जयस) ने मोर्चा खोल दिया। कार्यकर्ताओं ने राजराजेश्वरी मंदिर से लेकर कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाला और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जयस कार्यकताओं ने सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि ग्राम खोरियाएमा की आंगनवाड़ी में आदिवासी समाज की चिंतामणी चौहान (भिलाला) पिछले तीन माह से कार्यरत थीं, लेकिन बिना किसी ठोस कारण या पूर्व सूचना के उन्हें पद से हटा दिया गया। इससे पूर्व समाजजनों ने 7 जनवरी 2026 को भी न्याय की गुहार लगाते हुए ज्ञापन सौंपा था, लेकिन प्रशासन ने उस पर कोई संज्ञान नहीं लिया।

रैली के कलेक्ट्रेट पहुंचने पर स्थिति उस वक्त तनावपूर्ण हो गई, जब कार्यकर्ता सीधे कलेक्टर को ही ज्ञापन सौंपने पर अड़ गए। दोपहर 1 बजे पहुंचे कार्यकताओं को मनाने के लिए एडीएम और एसडीएम आए, लेकिन उन्होंने ज्ञापन देने से इनकार कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले इस गतिरोध के बाद आखिरकार एसडीएम मनीषा वास्कले को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि चिंतामणी चौहान को हटाकर जिस नई महिला की नियुक्ति की गई है, उसका बीपीएल (गरीबी रेखा) कूपन फर्जी है। जयस का कहना है कि प्रशासन ने फर्जी दस्तावेजों की जांच किए बिना यह नियुक्ति की है, जो नियम विरुद्ध है।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

जयस ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि चिंतामणी चौहान को न्याय नहीं मिला और उनकी बहाली नहीं की गई, तो समाज चुप नहीं बैठेगा। जिला अध्यक्ष ने कहा कि दोषियों पर कार्रवाई न होने की स्थिति में संगठन चक्काजाम करेगा और महिला के सम्मान में उग्र जन आंदोलन छेड़ा जाएगा।

म.प्र.भारतीय मजदूर संघ द्वारा श्रमिक सम्मेलन का आयोजन

ब्यावरा। राजगढ़ जिले के ब्यावरा कृषि उपज मंडी प्रांगण में म.प्र.भारतीय मजदूर संघ का जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नारायणसिंह पंवार एवं विशेष अतिथि के रूप में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह सहित मंचासीन अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर मलयार्पणकर दीपप्रज्वलित किया, एकल गीत एवं अतिथि स्वागत के पश्चात मुख्यअतिथि श्री पवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज के हर क्षेत्र में भारतीय मजदूर संघ का प्रभाव है, देश में विभिन्न प्रकार के 29 कानून थे भारत सरकार ने श्रम सुधारो के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाया और सिर्फ चार कानून बनाकर भारतीय मजदूर संघ को दिए चार नए श्रम संहिता कानून देश में लागू किया वेतन संहिता, उद्योग संहिता, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के माध्यम से श्रमिकों को न्यूनतम वेतनमान, समय पर वेतन भुगतान, सुरक्षा अधिकार आदि प्रदान किये आपने कहा कि श्रमिक राष्ट्र के निर्माण की आधारशिला होते हैं देश की अर्थव्यवस्था उद्योगों पर टिकी थी, भारत सरकार ने श्रमिक उत्पादन का साधन न रहे बल्कि अपने अधिकारों के साथ सुरक्षित जीवन जी सके भारत सरकार के इन कानूनों को राज्य सरकार ने लागू किया तथा भारत सरकार के कानून को मध्यप्रदेश सरकार ने विधानसभा में यथावत पारित कर दिया कार्यक्रम का संचालन संजय शेखर शर्मा ने किया।

परिजनों को मिलेंगे 24.68 लाख, शाजापुर न्यायालय का अहम फैसला

शाजापुर। सड़क दुर्घटना में देवास निवासी 20 वर्षीय युवक की असामयिक मृत्यु के मामले में शाजापुर न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। पंचम सदस्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, शाजापुर ने मृतक के परिजनों को क्षतिपूर्ति के रूप में कुल 24 लाख 68 हजार 160 रुपये प्रदान करने का आदेश दिया है। अभिभाषक कमल कुमार पाटीदार एवं जावेद पठान बेरछा ने बताया कि घटना 13 जून 2024 की है। मृतक राज मोहम्मद 20 वर्ष, पिता सईद मंसूरी, निवासी परमानन्द कॉलोनी, मम्मन टोला, देवास, अपने नियोक्ता रफीक हुसैन जूता-चप्पल व्यवसायी के साथ माल लेकर ट्रांसपोर्ट के जरिए आयशर मिनी ट्रक में बैठकर देवास लौट रहा था। ट्रक जब शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में पूरनखेड़ी टोल के पास पहुंचा, तभी सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच चालक ने वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए आगे जा रहे एक अज्ञात वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आयशर मिनी ट्रक का बायां हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पिचक गया। चूंकि राज मोहम्मद बाईं ओर कंडक्टर सीट पर बैठा था, वह बुरी तरह फंस गया। सिर और शरीर में गंभीर चोटें आने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस दुर्घटना की रिपोर्ट थाना कोलारस, जिला शिवपुरी में पंजीबद्ध की गई थी। परिवार के एकमात्र सहारे की मृत्यु पर परिजनों द्वारा शाजापुर न्यायालय में दुर्घटना दावा प्रस्तुत किया गया था।

कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर रथ को किया रवाना

ब्यावरा। युवा विकास मंडल संस्था राजगढ़ द्वारा निर्भया कार्यक्रम अंतर्गत राजगढ़ जिले में महिलाओं बच्चों पर होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए राजगढ़ जिले के तीन गांवों में गरिमा केंद्र जिसमे रोजाना बैठक एवं 26 गांवों में बालिका पंचायत एवं बॉयस ग्रुप के साथ हर महीने मीटिंग करके लगातार हिंसा भेदभाव एवं जागरूकता के प्रयास किए जा रहे इसी कड़ी में जिले में होने वाले बाल विवाह एवं नातरा झगड़ा जैसी कुप्रथा को मिटाने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग व युवा विकास मंडल संस्था राजगढ़ के संयुक्त प्रयास से 15 दिनों तक जागरूकता रथ का संचालन जिले में किया जा रहा, जिसमे गांव गांव जाकर ग्रामीणों के साथ बाल विवाह एवं झगड़ा जैसी कुप्रथा पर समुदाय के साथ बैठक कर जागरूक करेंगे।

राजगढ़ जिले में जनगणना 2027

तैयारियों को लेकर 39 अधिकारियों को किया नियुक्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ राजगढ़-ब्यावरा।

राज्य शासन के गृह सामान्य विभाग के निदेर्शों के तहत जनगणना अधिनियम 1948 के प्रावधानों के अनुसार जनगणना 2027 के सफल संचालन हेतु राजगढ़ जिले में प्रशासनिक ढांचा तैयार कर लिया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ.गिरीश कुमार मिश्रा के निदेर्शानुसार जिले के विभिन्न स्तरों पर कुल 39 अधिकारियों को जनगणना अधिकारी एवं चार्ज जनगणना अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ.मिश्रा ने डिप्टी कलेक्टर को जिला जनगणना अधिकारी, जबकि जिला योजना अधिकारी को अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नियुक्त किया। इसके अलावा राजगढ़ जिले के सभी अनुभागों राजगढ़, ब्यावरा, नरसिंहगढ़, सारंगपुर एवं खिलचीपुर में संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को अनुभाग जनगणना अधिकारी का दायित्व सौंपा है। साथ ही तहसील स्तर पर भी जिम्मेदारियाँ तय की गई। जिनमें राजगढ़ जिले की सभी तहसीलों राजगढ़, ब्यावरा, सुठालिया, खुजनेर, नरसिंहगढ़, पचोर, सारंगपुर, खिलचीपुर, जीरापुर सहित अन्य तहसीलों के तहसीलदारों को चार्ज जनगणना अधिकारी नियुक्त किया है। इनके साथ-साथ अतिरिक्त, नायब तहसीलदारों को भी सहायक दायित्व सौंपे गए, जिससे नगरीय एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जनगणना कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके। नगर निकायों में भी नियुक्तियाँ की गई। जिनमें नगर परिषद एवं नगर पालिका स्तर पर राजगढ़, ब्यावरा, नरसिंहगढ़, सुठालिया, खुजनेर, बोड़ा, कुरावर, तलेन, पचोर, सारंगपुर, छापीहेड़ा, खिलचीपुर, माचलपुर एवं जीरापुर के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को चार्ज जनगणना अधिकारी बनाया गया। ये अधिकारी अपने-अपने नगरीय क्षेत्र में जनगणना कार्य के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। इन नियुक्तियों का उद्देश्य जनगणना-2027 को समयबद्ध, पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराना है। सभी नियुक्त अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में जनगणना से संबंधित समस्त कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भवन स्वामी भेरूलाल चौधरी पिता लालाजी चौधरी जाति गारी निवासी डायवर्शन रोड़ बड़नगर, जिला उज्जैन (म.प्र.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक मकान नगरपालिका गृह कमांक 2/1 एवं 2/1अ स्थित उत्सव घाट पथ बड़नगर, जिला उज्जैन जिसका कुल क्षेत्रफल 1280.21 वर्गफीट है एवं भवन स्वामी श्रीमती श्यामुबाई पति भेरूलालजी चौधरी जाति गारी, निवासी डायवर्शन रोड़ बड़नगर जिला उज्जैन (म.प्र.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक मकान जो कि कस्बा बड़नगर, जिला उज्जैन में सर्वे नं. 1407/1मी. रकबा 0.011 आरे में खारी बावड़ी बड़नगर, जिला उज्जैन पर उत्सव घाट पथ से 200 फिट की दूरी पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1170 वर्गफिट है को कय करने का सौदा उपरोक्त दोनों भवन स्वामी से तय कर बयाना राशि प्रदान कर दी है तथा एक विक्रय अनुबंध पत्र उपरोक्त भवन स्वामी ने मेरे पक्षकार के पक्ष में सम्पादित किया है तथा शीघ्र ही अनुबंधित भवन का विक्रय पत्र मेरे पक्षकार के पक्ष में निष्पादित व पंजीकृत होना है यदि उक्त भवन के संबंध में किसी संस्था, बैंक, निकाय का ऋण, भार बकाया हो अथवा यह सम्पत्ति किसी के पक्ष में रहन हो अथवा किसी के पक्ष में कोई अनुबंध पत्र या इन दोनों भवन से संबंधित मुख्त्यारनामा आम या मुख्त्यारनामा खास हो अथवा इस सम्पत्ती में उपरोक्त भवन स्वामी के अतिरिक्त अन्य किसी भी व्यक्ति का कोई हित, स्वत्व, अधिकार हो या अन्य कोई आपत्ति हो तो जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में लिखित रूप से मय दस्तावेजी प्रमाण के आपत्ती दर्ज करावे अवधि व्यतीत होने के पश्चात कोई आपत्ती मान्य नही होगी। सूचित हो। दिनांक 04/02/2026

सूर्य परमार, एडव्होकेट
39/20 मंगलम परिसर बड़नगर
जिला उज्जैन, मोबा. 9977060138

जाहिर सुचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार तके सिंह पिता रतन सिंह जाति कलोता निवासी भवरसला तहसील व जिला इंदौर के स्वामित्व एंव आधिपत्य की कृषि भुमि सर्वे नं. 166/2 रकबा 2.27 हे. भुमि ग्राम फतेहपुर तहसील बडनगर जिला उज्जैन में स्थित हैं। उपरोक्त भुमि मेरी पक्षकारा द्वारा पुर्व भुमि स्वामि मुंशीलाल जाति धाकड पिता राम सिंह जाति धाकड निवासी ग्राम बंगरेड तहसील बडनगर जिला उज्जैन से पंजीकत विक्रय पत्र के माध्यम से दिनांक 23/04/2007 को कय की होकर कय करने के पश्चात उपरोक्त भुमि पर कृषि कार्य कर फसल लाभ प्राप्त करती चले आ रहे हैं वर्तमान में भी उपरोकत भुमि पर गेहूं की फसल बो रखी हैं। वर्ष 2009-10 में पटवारी मोजा की त्रुटि के कारण उपरोक्त भुमि पर पुर्व भुमि स्वामी मुंशीलाल पिता राम सिंह का नाम दर्ज हो गया जिसके संबंध में मेरे पक्षकार द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष वाद प्रस्तुत कर दिया है। वर्ष 2024 में मुशीलाल की मृत्यु होने से उनके वेध वारिश सुमित्राबाई पति मुंशी लाल एंव शकुन्ताल, राकेश, राजेश, भगवती बाई पिता मुंशीलाल के नाम दर्ज होगा उपरोक्त भुमि सर्वे क. 166/2 पर त्रुटिवश में वर्तमान राजस्व रिकार्ड में सुमित्राबाई पति मुंशी एंव शकुन्तला बाई, राकेश, राजेश भगवती बाई पिता मुंशीलाल का नाम दर्ज होंने के कारण इन व्यक्तियो द्वारा मेरे पक्षकारा से अवैध लाभ अर्जित करने के उददेश्य से उपरोक्त भुमि को पुनः विक्रय करने के प्रयास में है। यदि भुमि सर्वे न. 166/2 रकबा 2.27 हैं. ग्राम फतेहपुर तहसील बडगनर जिला उज्जैन को यदि किसी भी व्यक्ति का अंश, भार, किसी वित्तीय संस्था का ऋण, किसी व्यक्ति द्वारा कय की जाती है। तो उसकी संपुर्ण जवाबदारी उसी व्यक्ति की रहेगी। दिनांक 04/02/2026

नीरज गिरी अभिभाषक
बडनगर जिला उज्जैन
मो. नं. 9770014138

बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने किया नेशनल हाईवे 52 पर चक्काजाम दोनों तरफ लगी वाहनों की लंबी कतार

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में ब्यावरा और राजगढ़ के बीच रेलवे लाइन के पास सैकड़ो ग्रामीणों ने ग्रिड ऑपरेटर की लापरवाही के चलते करीब आठ दस दिन से बिजली नहीं मिलने के कारण बाड़ियापुरा बानपुरा सहित आसपास के सैकड़ो ग्रामीणों ने बिजली से परेशान होकर नेशनल हाईवे 52 पर चक्काजाम कर दिया था, करीब 2 घण्टे तक सैकड़ो वाहन हाईवे के दोनों ओर फंसे रहे इस बीच ग्रामीणों ने इमरजेंसी वाहनों को रास्ता दिया, चक्काजाम के दौरान राजगढ़ के पूर्व विधायक बापूसिंह तंवर करनवास स्थित नाईखेड़ा जाते वक्त जाम में फंस गए और किसने की पीड़ा सुनकर ग्रामीणों के साथ धरना स्थल पर बैठ गए , जाम को देखते हुए पुलिस प्रशासन रोड क्लियर करवाने पहुंची मगर जब तक विद्युत विभाग के आला अधिकारी नहीं पहुंचे तब तक जाम नहीं खोला करीब एक घंटे बाद बिजली विभाग के डीई घटनास्थल पर पहुंचे के बाद ग्रामीणों ओर पूर्व विधायक से चर्चा करने के बाद जाम खुलवाया गया।

भा ज पा मंडल ने किया डाबी तथा शिंदे का सम्मान

महिदपुर रोड। भारतीय जनता पार्टी महिदपुर रोड़ मंडल द्वारा आ योजित एक कार्यक्रम में भाजपा मंडल महिदपुर अजजा मंडल अध्यक्ष बाबूलाल डाबी तथा महिदपुर रोड़ बूथ अध्यक्ष भास्कर शिंदे का पूर्व विधायक बहादुर सिंह चौहान जिला उपाध्यक्ष संदीप व्यास महिदपुर मंडल अध्यक्ष गुरु चरण सिंह चौहान मंडल उपाध्यक्ष राजेश कांठेड़, महामंत्री शंभू शर्मा आदि ने शाल श्रीफल से सम्मान किया इस दौरान उज्जैन दलित ओ बीसी माइ नॉरिटी एवं आदिवासी संगठनो का परिसंघ परिसंघ के प्रदेश महा सचिव जे के मालवीय द्वारा भारत की संविधान की 675 वीं प्रति प्रदान की । गोपाल बैरागी , भूपेश कसेरा, दथरथ सिंह, हरि सिंह चुण्डावत ,वरिष्ठ नेता रमेश कुमावत जोरावर सिंह डोडिया , चैन सिंह सरपंच रोहिडा, विजय जोशी रवि न्द्र सिंह ठाकुर , मानसिंह सिसौ दिया ओम सौलंकी आदि मौजूद रहें । आभार मंडल अध्यक्ष गुरूचरण सिंह चौहान ने माना। जानकारी महिदपुर रोड़ मंडल के मीडिया प्रभारी योगेन्द्र सिंह शाक्य ने दी ।

अन्नदाता की हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है भाजपा सरकार

महिदपुर। तहसील कार्यालय महिदपुर में विधानसभा क्षेत्र के 249 गांवों में अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के संबंध में शीघ्र सर्वे कराकर राहत राशि एवं बीमा क्लेम दिलाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन पूर्व विधायक की अध्यक्षता में प्रशासन को सौंपा गया, जिसमें किसानों को हुए नुकसान का आकलन कर जल्द मुआवजा प्रदान करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भाजपा सरकार अन्नदाताओं की हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है और प्रभावित किसानों को समय पर राहत मिलना आवश्यक है। प्रशासनिक अधिकारियों ने ज्ञापन प्राप्त कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

शहनाईयां फिर से गुंजना शुरू, 22 जुलाई तक मुहूर्त

सारंगपुर। शहनाई की गूंज मंगलवार से एक बार फिर सुनाई देने लगी है। शुक्र उदय के साथ ही विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू हो गए हैं और विधिवत शादियों का सिलसिला प्रारंभ हो चुकी है। इस वर्ष विवाह का सीजन खास रहने वाला है, क्योंकि लगभग छह महीने तक लगातार शुभ मुहूर्त उपलब्ध रहेंगे। हालांकि इस दौरान दो बार कुछ दिनों के लिए शादियों पर विराम भी लगेगा।

पंडित पवन पारीक ने बताया कि पिछले वर्षों में 15 जनवरी के बाद विवाह मुहूर्त आरंभ हो जाते थे, लेकिन इस बार शुक्र अस्त होने के कारण शादियों का क्रम देर से शुरू हुआ। शादियों का सिलसिला 11 दिसंबर को शुक्र अस्त होने के साथ थम गया था, जो अब पुनः गति पकडेगा। ज्योतिषाचार्य संजय भार्गव के अनुसार इस वर्ष विवाह मुहूर्त 3 फरवरी से शुरू हो चुके है और 22 जुलाई तक रहेगा। इसके बाद देवशयन काल के चलते शुभ कार्य स्थगित हो जाएंगे। फरवरी से जुलाई के बीच 19 मार्च से 26 मार्च तक चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के कारण विवाह मुहूर्त नहीं रहेंगे। इसके अलावा 17 मई से 15 जून तक ज्येष्ठ अधिक मास में भी मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। 23 जुलाई आषाढ शुक्ल भडली नवमी के बाद देवशयन काल प्रारंभ हो जाएगा, जो कार्तिक एकादशी 20 नवंबर तक रहेगा। इस अवधि में विवाह सहित अन्य शुभ कार्य नहीं होंगे। देवउठनी एकादशी के बाद फिर शादियों का मौसम शुरू होगा।

तार्किक त्रुटि वाले 43980 मतदाताओं को दिए जाएंगे नोटिस, चार से शुरु सुनवाई

विधानसभा में 40 एइआरओ करेंगे सुनवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

विकासखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया के पहले चरण में 2 लाख 623 मतदाताओं ने फार्म भरकर दिए थे। इसमें से 43 हजार 980 लाख मतदाता तार्किक त्रुटि श्रेणी में सामने आए हैं। जिनके रिकार्ड वर्ष 2003 की मतदाता सूची से तो मैप हो गए हैं, लेकिन विवरणों में विसंगतियों के कारण वे संदेह के घेरे में हैं। इनके नाम, जन्म तारीख और माता-पिता के नाम को लेकर विसंगतियां है। ऐसे मतदाताओं को नोटिस देने का कार्य किया जा रहा है। इसके बाद इनकी सुनवाई शुरू होगी और मतदाता को वर्तमान नाम, जन्म तारीख की सही जानकारी वाला एक दस्तावेज देना होगा। 1117 मतदाताओं की सुनवाई जारी है, जिनकी जानकारी 2003 की सूची से मेपिंग नहीं हो सकी थी। इसके लिए 3 केंद्र बनाए गए है। सुनवाई के दौरान दिए जाने वाले दस्तावेज की जांच की जा रही है। इसके अलावा तार्किंग त्रुटी वाले 43 हजार 980 मतदाताओं को नोटिस जारी करने का कार्य शुरू हो चुका है। निर्वाचन आयोग के साफ्टवेयर द्वारा रिकार्ड मिलान के दौरान इन मतदाताओं को लेकर पांच प्रकार की तार्किक त्रुटियां सामने आई थी।

इनमें सबसे बडी संख्या उन मतदाताओं की है, जिनके पिता का नाम 2003 की सूची से मेल नहीं खा रहा। इसके अलावा नाम की स्पेलिंग में गलती, नाम का अधूरा होना, सरनेम में बदलाव और जन्मतिथि में अंतर जैसी त्रुटियां भी सामने आई हैं। इन मतदाताओं को आयोग ने संदेह के घेरे में रखा है। अब इन मतदाताओं को नोटिस के बाद सही नाम, जन्म तारीख वाला दस्तावेज देना होगा।

एईआरओ करेंगे जांच

तार्किक त्रुटि वाले मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए है और नोटिस के बाद दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होगा। एसडीएम रोहित बम्हौरे ने बताया कि हमारे द्वारा विकासखंड में 40 एइआरओ नियुक्त किए गए है। दस्तावेजों की जांच होंगी और इसके बाद घोषणा पत्र भरकर पोर्टल पर दर्ज कर दिया जाएगा। आयोग नाम और जन्म तारीख की गफलत को दूर करने के लिए दस्तावेज ले रहा है। क्योंकि 2003 से 2026 तक मतदाता के नाम और तारीख में सुधार हुआ है। ऐसे में मतदाता से वर्तमान का सही दस्तावेज लिया जाएगा।

लंबी प्रक्रिया से परेशानी

उल्लेखनीय है कि एसआइआर की लंबी प्रक्रिया से अधिकारी, बीएलओ से लेकर मतदाता सभी परेशान हो चुके है। पहले डेढ माह फार्म भरने के लिए मस्कत करना पडी, इसके बाद दावे-आपत्ति की एक माह लंबी प्रक्रिया चली। 1117 मतदाताओं को नोटिस देकर सुनवाई के बाद अब 43980 लाख मतदाता को नोटिस और सुनवाई करना होगी। बीएलओ का कहना है कि पहले ही मतदाता के घर तीन बार जाकर कागज ले चुके है और अब फिर से नोटिस देकर कागज बुलाने से मतदाता नाराज हो रहे है।

बोले जिम्मदार

सारंगपुर विकासखंड में जो तार्किंग त्रुटियां मिली है उसके लिए 43 हजार 980 मतदाताओं को नोटिस दिए है। उनके लिए 40 एइआरओ को नियुक्त किया गया, यह सुनवाई करेंगे। मतदाताओं से आग्रह है कि नोटिस से घबराए नहीं, क्योंकि यह नोटिस फार्म नंबर 7 के नोटिस नहीं है, बल्कि यह तार्किंग त्रुटियों के सुधार के लिए नोटिस है। इससे मतदाताओं की जानकारी में सुधार होगा।

रोहित बम्हौरे, एसडीएम, सारंगपुर।

ये त्रुटियां आईं सामने

- मतदाता का नाम 2003 की सूची से अलग।
- पिता के नाम और सरनेम को लेकर विसंगति।
- पिता और दादा की उम्र को लेकर विसंगति।
- छह से अधिक मैपिंग को लेकर भी परेशानी है।

नेशनल हाईवे पर लूट करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश-

राजस्थान के 3 लुटेरे गिरफ्तार 1,26,400 रु एवं सामग्री बरामद

अवन्तिका ▸▸ राजगढ़-ब्यावरा।

राजगढ़ जिले में फरियादी गोपाल दास यादव पिता बापूलाल यादव निवासी ग्राम खानपुरा ब्यावरा ने थाना कुरावर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी चार पहिया वाहन से भोपाल से ब्यावरा जा रहा था। तीज बड़ली के पहले तीन अज्ञात व्यक्तियों ने हाथ का इशारा कर वाहन रुकवाया तथा वाहन रोकने पर उनकी आंखों में मिर्ची डालकर उसे उसी के वाहन में बंधक बना लिया।

आरोपियों ने फरियादी के साथ मारपीट कर उसका मोबाइल फोन एवं पर्स लूट लिया गया। इसके पश्चात मोबाइल का पासवर्ड पूछकर फरियादी को बंधक बनाए रखते हुए अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर दुकानों के माध्यम से उसके बैंक खाते से कुल 1,26,400 रु की राशि आहरित की गई। पीड़ित किसी प्रकार आरोपियों के चंगुल से भागने में सफल हुआ एवं थाना कुरावर में रिपोर्ट दर्ज कराई। कुरावर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। कुरावर पुलिस ने नेशनल हाईवे पर लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए राजस्थान राज्य के 3 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए विशेष पुलिस टीम का गठन की। पीड़ित के कथनों, सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी डाटा एवं मोबाइल ट्रैकिंग के आधार पर आरोपियों को चिन्हित किया। फलस्वरूप तीनों आरोपी संजय उर्फ संजू मीणा पिता घासीलाल 36 वर्ष, निवासी अकलेरा, जिला झालावाड़ (राजस्थान), रंजीत मीणा, पिता गुडकीलाल मीणा निवासी ग्राम काजलिया, थाना अकलेरा, जिला झालावाड़ (राजस्थान), जीतमल मीणा, पिता बाबूलाल मीणा निवासी अकलेरा, जिला झालावाड़ (राजस्थान) को गिरफ्तार कर

एक लाख छब्बीस हजार चार सौ रुपये नगद, 1 मोबाइल फोन, 1 पर्स, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। आरोपी नेशनल हाईवे पर सुनसान स्थानों एवं रात्रि समय चार पहिया वाहनों को निशाना बनाते थे। हाथ का इशारा कर स्वयं को मददगार अथवा प्रोफेशनल व्यक्ति बताकर वाहन रुकवाते थे।

वाहन रुकते ही पीड़ित की आंखों में मिर्ची डालकर उसे असहाय बना देते थे। पीड़ित को उसी के वाहन में बंधक बनाकर मारपीट एवं भयभीत करते थे। मोबाइल फोन एवं पर्स लूटकर मोबाइल का पासवर्ड जबरन प्राप्त किया जाता था। पासवर्ड मिलने के बाद अलग-अलग दुकानों से खाते से नगदी आहरण किया जाता था। पहचान छिपाने हेतु चोरी की मोटरसाइकिलों का उपयोग कर महंगे होटलों में ठहरते थे।

आगामी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्षों को दिया गया प्रशिक्षण

अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

जिले में बोर्ड परीक्षाओं के सफल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्षों की बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बैठक में केन्द्राध्यक्षों एवं सहायक केन्द्राध्यक्षों को उनके दायित्वों से अवगत कराते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

उल्लेखनीय है कि बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन आगामी 10 फरवरी से होगा। इसके लिये जिले में 32 परीक्षा केन्द्र बनाएं गए। जिले में इस वर्ष परीक्षा में कक्षा 10 वीं में 7874 विद्यार्थी और कक्षा 12 वीं में 5114 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

कलेक्टर ने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं के सफल आयोजन हेतु सभी केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष अपने दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षाओं के सफल संचालन हेतु प्रश्नपत्रों की गोपनीयता एवं शुचिता बनाए रखना सर्वोपरि है।परीक्षा दिवस पर संबंधित थानों से कलेक्टर प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रश्नपत्र प्राप्त कर उन्हें सुरक्षित रूप से परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाया जाए तथा प्रश्नपत्रों को केवल परीक्षा कक्ष में ही खोला जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि परीक्षा केन्द्रों पर विद्युत एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही परीक्षा केन्द्रों पर उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों के मोबाइल फोन परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व बंद कराकर सील किए जाएं। परीक्षा के दिन परीक्षा केन्द्र की 100 मीटर की परिधि में अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। सभी केन्द्रों पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

संकल्प से समाधान अभियान में डोर-टू-डोर सर्वे से प्राप्त आवेदनों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करें- कलेक्टर प्रीति यादव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत डोर-टू-डोर सर्वे में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव ने आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। कलेक्टर ने बैठक में अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन विभागों के आवेदन पोर्टल पर शून्य प्रदर्शित हो रहे हैं, वे शीघ्र एंट्री करना सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित विभागों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

बैठक में अपर कलेक्टर आर.पी वर्मा, एसडीएम आगर मिलिंद ढोके, डिप्टी कलेक्टर प्रेम नारायण परमार, कमल मंडलोई, श्रीमती किरण बरबड़े, जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक लखन सिंह, समस्त तहसीलदार, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु कृषकों के पंजीयन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पंजीयन केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित कर ली जाएं। बैठक में बताया गया कि गेहूं उपार्जन के लिए कृषकों का पंजीयन 7 फरवरी से प्रारंभ होगा, जिसके लिए जिले की 32 प्राथमिक एवं विपणन साख सहकारी संस्थाओं को पंजीयन केंद्र बनाया गया है।

कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों की बैठकें प्रस्तावित हैं, उन्हें समय पर आयोजित किया जाए तथा बैठकों में दिए गए निदेर्शों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। विभाग प्रमुख अपने-अपने विभाग से संबंधित पोर्टलों की नियमित मॉनिटरिंग करें एवं उन्हें अद्यतन रखें। साथ ही विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति अनिवार्य रूप से संबंधित पोर्टलों पर दर्ज की जाए।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण किया जाए, ताकि विभागीय ग्रेडिंग में बेहतर अंक प्राप्त हो सकें। निम्न गुणवत्ता का निराकरण न किया जाए। महिला एवं बाल विकास तथा राजस्व विभाग को लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए।उन्होंने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए शासन स्तर से प्राप्त पत्रों का समय पर जवाब भेजने तथा प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का समाधानकारी निराकरण कर आवेदकों को अवगत कराने के निर्देश दिए। बैठक में समग्र ई-केवायसी, फार्मर रजिस्ट्री, एसआईआर सहित अन्य बिंदुओं की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को दिए गए।

राज्यमंत्री ने किया प्रांतीय शिक्षक संघ के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

सारंगपुर। प्रांतीय शिक्षक संघ के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सारंगपुर कार्यालय में कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री डॉ गौतम टेटवाल के द्वारा प्रांतीय शिक्षक संघ के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया। इस कैलेंडर को जिले की कार्यकारिणी द्वारा संघ के समस्त पदाधिकारियों के माध्यम से शालाओं में वितरित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चंदरसिंह तोमर , जिला महासचिव राजकुमार सिंह खिंची, प्रदेश मीडिया प्रभारी संजय सिंह, भगवान सिंह राठौर, जिला संयोजक बालचंद दांगी, कार्यकारी जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह जाट, कार्यकारी जिला अध्यक्ष पुखराज सिंह राठौर, प्रेम वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी जुगराज सिंह वर्मा, ब्लाक अध्यक्ष रामकरण राठौर, प्रेम सिंह परमार, चंद्रेश शर्मा, देवीलाल रुहेला, एलकार सिंह जादोन, अशोक मेहरिया, रविंद्र प्रताप शर्मा, सुरेश वर्मा, घनस्याम भिलाला, भगवान सिंह गुजराती, प्रेमसिंह नागर, यशवंत सिंह भिलाला, अशोक कारपेंटर, मोहन सिंह भिलाला, आनंदी लाल भिलाला सहित समस्त जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीराधाकृष्ण मंदिर पंडितवाडी में गीता स्वाध्याय पाठ का आयोजन

सारंगपुर। मनुष्य को मानव जीवन के तीन शत्रुओं काम, क्रोध तथा लोभ से अत्यंत सावधान रहना चाहिए। जो व्यक्ति जितना ही इन तीनों से मुक्त होगा, उतना ही उसका जीवन शुद्ध होगा। जो व्यक्ति जानबूझ कर नियमों का अतिक्रमण करता है, वह काम के वश में होकर कर्म करता है। उक्त उद्गार कपिलेश्वर गीता स्वाध्याय मंडल द्वारा श्रीराधाकृष्ण मंदिर पंडितवाडी में आयोजित गीता स्वाध्याय पाठ के अंतर्गत स्वाध्यायी आनंद मोहन व्यास ने व्यक्त किए। विश्व गीता प्रतिष्ठानम उज्जयिनी द्वारा संचालित गीता स्वाध्याय के अंतर्गत सर्वप्रथम घर-घर गीता का प्रचार हो गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान श्री कृष्ण एवं श्रीमद्भगवद्गीता की पूजन अर्चन कर दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात विश्वगीता प्रतिष्ठानम के स्वाध्याय पत्रक का गायन किया गया। श्रीमद्भगवद्गीता गीता के 11 श्लोक का उच्चारण कपिलेश्वर स्वाध्याय मंडल के नवीन श्रीवास्तव ने किया।। कार्यक्रम के अंत में श्रीमद्भगवद्गीता जी की आरती उतारी गई। कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता एवं अनुशासन बनाएं रखें- कलेक्टर श्रीमती यादव

आगर मालवा। आगामी बोर्ड परीक्षाओं को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव द्वारा नियुक्त कलेक्टर प्रतिनिधियों की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा कर कलेक्टर प्रतिनिधियों को उनके दायित्वों से अवगत करवाया गया। कलेक्टर ने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी होती हैं, परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता एवं अनुशासन बनाए रखना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं के सफल संचालन हेतु प्रश्नपत्रों की गोपनीयता एवं शुचिता बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी कलेक्टर प्रतिनिधि परीक्षा दिवस पर संबंधित थानों से प्रश्नपत्र प्राप्त करने से लेकर उन्हें परीक्षा केंद्र तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने तथा प्रश्नपत्रों को केवल परीक्षा कक्ष में ही खोलना सुनिश्चित करवाएंगे। कलेक्टर प्रतिनिधि एवं केंद्राध्यक्ष थाने एवं परीक्षा केंद्र पर पहुंचकर एक साथ सेल्फी लेकर कलेक्टर प्रतिनिधि द्वारा निर्धारित पोर्टल पर अपलोड करेंगे। केंद्राध्यक्ष एवं प्रतिनिधि के साथ संयुक्त फोटो अपलोड नहीं होने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड परीक्षा से पहले एसडीएम ने दिए सफलता के मंत्र, बोले- आत्मविश्वास जरूरी

सारंगपुर। मध्यप्रदेश शिक्षा मंडल भोपाल की बोर्ड परीक्षाएं कुछ दिनों में शुरू होने वाली है इसके पहले विद्यार्थियों के लिए परीक्षा मार्गदर्शन करते हुए सारंगपुर एसडीएम रोहित बम्हौरे ने वार्ता के माध्यम से छात्रों का मनोबल बढाने और सही दिशा देने के लिए अपने विचार रखे है। एसडीएम बम्हौरे ने कहा, सफलता केवल ज्यादा पढाई से नहीं मिलती। इसके लिए सही रणनीति, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास जरूरी है। उन्होंने विषयों को समझकर पढने, समय का सही उपयोग करने और उत्तर लेखन की शैली पर ध्यान देने की बात कही। साथ ही रोजाना पुनरावृत्ति करने की सलाह दी। एसडीएम ने छात्रों को तनावमुक्त रहकर सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने की प्रेरणा दी। चर्चा के माध्यम से उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया।

सर्दियों में प्रोटीन के लिए ये सब्जियां हैं बेस्ट

सेहत को मिलेंगे और भी कई फायदे

ठंड के दिनों में प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ सब्जियों को शामिल कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि हम इस लेख जिन सब्जियों के बारे में बताने जा रहे हैं, उसके अन्य भी कई स्वास्थ्य लाभ है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

सर्दियों के मौसम में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने और मांसपेशियों की मजबूती के लिए प्रोटीन एक जरूरी पोषक तत्व है। अक्सर लोगों के मन में सवाल रहता है कि ठंड के दिनों में प्रोटीन के लिए किन सब्जियों को डाइट में शामिल करना चाहिए। आइए इस लेख में ऐसी ही कुछ सब्जीयों के बारे में जानते हैं। इन सब्जियों का सेवन न केवल शरीर में अमीनो एसिड की कमी को पूरा करता है, बल्कि इनमें मौजूद फाइबर और विटामिन्स पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने और त्वचा में चमक लाने में भी मदद करते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, हरी मटर, ब्रोकली, पालक और मशरूम जैसी सब्जियां सर्दियों की डाइट के लिए 'सुपरफूड' मानी जाती हैं। ये सब्जियां न केवल वजन घटाने में सहायक हैं, बल्कि इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को मौसमी संक्रमणों से भी बचाते हैं। इस लेख में हम विस्तार से जानेंगे कि ये चार सब्जियां आपके स्वास्थ्य के लिए क्यों जरूरी हैं और इन्हें खाने से शरीर को कौन-कौन से अद्भुत लाभ मिलते हैं।

हरी मटर और ब्रोकली

हरी मटर में भरपूर प्रोटीन होता है, जो इसे मांसपेशियों के निर्माण के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे वजन नियंत्रित रहता है। दूसरी ओर, ब्रोकली न केवल प्रोटीन से भरपूर है, बल्कि इसमें विटामिन-उ और ङ भी प्रचुर मात्रा में होते हैं। ब्रोकली का सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने और शरीर में कोलेजन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होता है।

पालक

पालक को अक्सर केवल आयरन के स्रोत के रूप में देखा जाता है, लेकिन यह प्लांट बेस्ड प्रोटीन का भी एक शानदार विकल्प है। पके हुए पालक में प्रति कप पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और फोलेट पाया जाता है, जो खून के निर्माण और एनर्जी लेवल को बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी है। पालक में मौजूद नाइट्रेट्स ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और हृदय की कार्यक्षमता में सुधार करने में मदद करते हैं, जो सर्दियों में हार्ट हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होते है।

मशरूम

मशरूम को 'वेजिटेबल मीट' कहा जाता है क्योंकि इसमें सभी नौ आवश्यक अमीनो एसिड पाए जाते हैं। यह विटामिन-ऊका इकलौता शाकाहारी स्रोत भी है, जो सर्दियों में धूप की कमी को पूरा करने में मदद करता है। मशरूम में मौजूद सेलेनियम और एंटीऑक्सीडेंट्स कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और इम्युनिटी को इतना मजबूत कर देते हैं कि शरीर सर्दी-जुकाम जैसे वायरल इन्फेक्शन से लड़ने में सक्षम हो जाता है।

संतुलित आहार से बनाएं सर्दियों को सेहतमंद

सर्दियों में प्रोटीन युक्त इन सब्जियों को सूप, सलाद या सब्जी के रूप में शामिल करना एक अच्छा विकल्प है। यह न केवल आपको ऊजार्वान बनाए रखता है, बल्कि प्रोसेस्ड फूड की क्रेविंग को भी कम करता है। ध्यान रखें बेहतर स्वास्थ्य के लिए विविधता जरूरी है, इसलिए इन सब्जियों को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

बिना मस्कारा के पलकें लगेंगी खूब घनीं, बस करें ये काम

अगर आपको मेकअप करना पसंद नहीं है तो कुछ घरेलू नुस्खे आजमाकर अपनी पलकों को प्राकृतिक रूप से घना बनाएं।

घनी और लंबे पलकें हर किसी की चाहत होती हैं, इसके लिए बहुत सी महिलाएं मस्कारा या नकली लैशेस पर निर्भर रहती हैं। पर, क्या आप जानती हैं कि बिना मस्कारा लगाए भी आपकी पलकें घनी और सुंदर दिखाई दे सकती हैं? सही देखभाल और कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप अपनी पलकें नेचुरल तरीके से मजबूत और घनी बना सकती हैं।

दरअसल, आपको पहले ये जानने की जरूरत है कि पलकें समय, धूल, मेकअप और तनाव के कारण कमजोर हो सकती हैं, इसलिए उनकी नियमित देखभाल बेहद जरूरी है। घरेलू उपाय और सही पोषण से आपकी पलकें लंबी और घनी दिख सकती हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कौन से आसान और असरदार तरीके हैं, जिन्हें अपनाकर आप मस्कारा या एक्सटेंशन के बिना ही नेचुरल और खूबसूरत पलकें पा सकती हैं।

नारियल तेल या कैस्टर ऑयल से मालिश

- पलकें कमजोर लग रही हों तो सोने से पहले हल्के हाथों से नारियल तेल या कास्टर ऑयल लगाएं।
- तेल में मौजूद पोषक तत्व बालों को मजबूत बनाते हैं और टूटने से रोकते हैं।
- रोजाना मालिश करने से पलकें घनी और लम्बी दिखने लगती हैं।

विटामिन ई का इस्तेमाल

- विटामिन ई कैप्सूल को चुभाकर उसका तेल सीधे पलकें पर लगाएं।
- विटामिन ई बालों की ग्रोथ बढ़ाने, उन्हें स्वस्थ रखने और टूटने से बचाने में मदद करता है।
- सप्ताह में 3-4 बार इसका इस्तेमाल काफी फायदेमंद रहता है।

एलोवेरा जेल का नेचुरल कंडीशनर

- एलोवेरा में मौजूद नमी और पोषक तत्व पलकें मुलायम और मजबूत बनाते हैं।
- हल्के हाथों से पलकें पर रोजाना जेल लगाएं।
- इससे पलकें टूटती नहीं हैं और धीरे-धीरे ये घनी हो जाती हैं।

मेकअप से ब्रेक लें

- लगातार मस्कारा, आईलाइनर या फेक लैशेस का इस्तेमाल करने से पलकें कमजोर और टूटने लगती हैं।
- हफ्ते में कुछ दिन बिना मेकअप रहें।
- इससे पलकों को आराम मिलेगा और ये प्राकृतिक रूप से घनी होंगी।

साफ-सफाई का ध्यान रखें

- सोने से पहले पलकें पूरी तरह साफ करें और मेकअप अवशेष हटाएं।
- गंदगी या मेकअप के कारण पलकें कमजोर और झड़ती हैं।
- रोजाना सफाई से पलकें स्वस्थ और घनी बनी रहती हैं।

संतुलित और पौष्टिक आहार

- पलकें मजबूत होने के लिए शरीर को प्रोटीन, आयरन और विटामिन्स चाहिए।
- अंडा, दूध, हरी सब्जियां, बीन्स और नट्स का सेवन करें।
- सही आहार बालों की जड़ें मजबूत बनाता है और ग्रोथ बढ़ाता है।

भारत और अफगानिस्तान की अंडर-19 टीमों के बीच बुधवार को विश्व कप का सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम अपना छठा खिताब जीतने के करीब पहुंच गई है और वह इससे दो कदम दूर है।

रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने उतरेगा भारत सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से सामना

हरारे। आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली भारतीय अंडर-19 टीम अफगानिस्तान के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप में अपना विजयी अभियान जारी रखने उतरेगी। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अब तक अजेय चल रही है और उसका बुधवार को सेमीफाइनल में सामना अफगानिस्तान से होगा। इस प्रतियोगिता के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम है। उसने पांच बार (2000, 2008, 2012, 2018, 2022) खिताब जीते हैं। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है जिसने चार बार ट्रॉफी जीती है। इस तरह से भारत रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीतने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा।

क्यों भारी है भारत का पलड़ा?

विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं।

बड़े-बड़े शॉट खेलने में माहिर सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पांच मैचों में दो अर्धशतकों सहित 196 रन बनाकर अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन टीम प्रबंधन चाहेगा कि वह अपने अर्धशतकों को शतकों में तब्दील करें।

ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा एक और भारतीय बल्लेबाज हैं जिन पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक लगाया था।

कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाजी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से छह विकेट लिए हैं, लेकिन उनकी बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश है। उन्होंने पांच मैचों में सिर्फ 99 रन बनाए हैं जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 53 रन है।

भारतीय गेंदबाजी की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के हाथ में है। इन दोनों तेज गेंदबाजों को स्पिनर खिलन पटेल का भी अच्छा सहयोग मिला है, जिन्होंने पांच मैचों में आठ विकेट लिए हैं।

म्हात्रे और मल्होत्रा गेंदबाजी में भी अपनी भूमिका निभाएंगे। मल्होत्रा ने अभी तक टूर्नामेंट में अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से पांच विकेट लेने के अलावा भारत की तरफ से एकमात्र शतक भी लगाया है।

अफगानिस्तान को कम आंकने की भूल पड़ सकती है भारी

भारत ने अब तक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। उसने अपने सभी पांच मैच आसानी से जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 58 रन की जीत भी शामिल है। भारतीय टीम हालांकि अफगानिस्तान को कम करके आंकने की गलती नहीं करेगी। अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उसने अपने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एकमात्र हार श्रीलंका से मिली थी, लेकिन खिलाड़ियों की फॉर्म और खेल के हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी नजर आता है।

वार्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हराया, विश्व कप से पहले तिलक वर्मा की दमदार वापसी

नवी मुंबई। टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के आगाज में अब चार दिन का समय शेष है। सोमवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए वॉर्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हरा दिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय ए टीम ने नारायण जगदीशन के शतक और आयुष बदोनी के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए। जवाब में अमेरिका की टीम 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 200 रन ही बना सकी। भारत के लिए रवि बिश्नोई ने तीन विकेट हासिल किए जबकि खलील अहमद और नमन धीर को एक-एक सफलता प्राप्त हुई।

एशियाई ओलंपिक क्वालिफाइंग निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत अगले साल दिल्ली में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) की मेजबानी करेगा, जिसमें 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर लगे होंगे। यह भारतीय निशानेबाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी क्योंकि वह पहले ही एक अन्य ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी हासिल कर चुका है। एशियाई प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए आठ स्थान अगले वर्ष 21 से 30 अप्रैल तक दिल्ली में होने वाले विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में उपलब्ध 12 कोटा स्थानों के अतिरिक्त होंगे।

एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की। एनआरएआई ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली में होगा और इसकी तिथियों को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने पत्र में कहा, 'हम

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी हासिल करने पर बधाई देते हैं, जहां लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान वितरित किए जाएंगे।' पत्र में कहा गया है, 'हमें पूरा विश्वास है कि आपके (एनआरएआई) नेतृत्व में चैंपियनशिप का आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप होगा और यह एक सफल प्रतियोगिता साबित होगी।'

एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार ने कहा, 'यह ऐतिहासिक अवसर होगा जबकि भारत दो ओलंपिक कोटा प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा और हमें इस पर बहुत गर्व है। हम नई दिल्ली में करणी सिंह रेंज में आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन (21-30 अप्रैल) और राइफल एवं पिस्टल में एशियाई चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'एशियाई चैंपियनशिप की तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी, लेकिन हमें बहुत खुशी है कि अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने प्रमुख प्रतियोगिताओं की सफल मेजबानी करने की हमारी क्षमताओं पर भरोसा दिखाया है। इससे निशानेबाजी में भारत के बढ़ते प्रभाव और आईएसएसएफ का हम पर भरोसे का पता चलता है।' सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत इन दोनों प्रतियोगिताओं का पूरा फायदा उठाकर अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल करेगा।

आवश्यकता है
कागज पत्तल बनाने हेतु पुरुष एवं महिलाओं की
पेपर ग्लास मशीन ऑपरेटर की
पैकिंग हेतु महिलाओं की
हेल्पर हेतु लड़को की
शीघ्र संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 इंडस्ट्रियल एरिया मक्सी रोड
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी
वेटर हेल्पर
किचन हैल्पर तंदूर वाला
और सिक्युरिटी गार्ड की
तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक
फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड
उज्जैन, 761-0571808

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.
पता: श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है । प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क मो.9575477077

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन)
पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें 9300405252

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क 9826398272

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

न्यूज कॉलम

कॉन्फ्रेंस में आईं महिला डॉक्टर ने तोड़ा दम, ब्रेन एन्यूरिज्म बना कारण

इंदौर। इंदौर में शनिवार को यूरोलॉजी की इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस यूएसआईसीओएन-2026 के दौरान महिला डॉ. त्सेरिंग (डोमा) भूटिया की प्रेजेंटेशन के दौरान तबियत बिगड़ी थी और गिर गई थीं। चार दिन तक चले इलाज के बाद उनकी आज तड़के मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें ब्रेन में एनुरिज्म की तकलीफ थी जिसके चलते वह वेंटिलेटर पर थीं। घटना वाले दिन की दोपहर मौके पर मौजूद डॉक्टरों और डेलिगेट्स ने उन्हें तुरंत सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें लाइफ केयर हॉस्पिटल ले जाया गया था। फिर शाम उन्हें अपोलो हॉस्पिटल में रैफर किया गया था। यहां इन्वेस्टिगेशन में पता चला कि उन्हें पहले से ही ब्रेन में एनुरिज्म की तकलीफ थी। यह ब्रेन की नस का कमजोर हिस्सा होता है, जो अचानक फटने पर तेज ब्लीडिंग का कारण बनता है। तब ब्रेन की नस अचानक फट गई तो वे बेहोश हो गई थीं। सोमवार को उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें मुंबई के मेदांता हॉस्पिटल रैफर करने के लिए एयर लिफ्ट किया जाना था। फिर परिजन के कहने पर उन्हें इंदौर के ही मेंदाता हॉस्पिटल में रैफर किया था जहां आज तड़के उनकी मौत हो गई। वह मूलतः सिक्किम की रहने वाली थीं। उनका परिवार बुद्धिज्म समाज से है। इसके चलते उनका शव एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। यहां एम्बाल्मिंग प्रोसेस (शव को संरक्षित कर दूर भेजने के लिए) की जा रही है। कुछ घंटों की प्रोसेस के बाद उनका शव सिक्किम रवाना किया जाएगा।

कार की टक्कर से घायल शख्स की मौत जबकि दोस्त की जान बची

इंदौर। इंदौर के लसूडिया थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि उसके दोस्त को मामूली चोटें आई हैं। यह हादसा 1 फरवरी की रात को हुआ था। लसूडिया पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान नीरज (47) पुत्र सुखनंद जैन, निवासी बजरंग नगर के रूप में हुई। हादसे में उनका दोस्त विक्की उर्फ विक्रम घायल हुआ है। परिजनों ने बताया कि 1 फरवरी की रात दोनों बाइक से लसूडिया थाने गए थे। रात करीब 12 बजे के बाद जब वे थाने से निकलकर घर जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गई। हादसे में नीरज के सिर में गंभीर चोट आई थी। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन मंगलवार रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद से नीरज को होश नहीं आया था। नीरज के परिवार में माता-पिता और एक बेटा है। वे एक निजी कंपनी में काम करते थे। पुलिस टक्कर मारने वाले कार चालक की तलाश कर रही है।

मेडिकल लापरवाही की जांच 15 माह से अटकी पूर्व प्रिंसिपल ने कलेक्टर को की शिकायत

इंदौर। मेडिकल लापरवाही की शिकायत लेकर शहर के एक शिक्षाविद महीनों से सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक न तो जांच पूरी हो सकी है और न ही उन्हें जवाब मिल पाया है। जिला प्रशासन के निर्देशों के बावजूद मेडिकल जांच लंबित है। इसे लेकर मंगलवार को उन्होंने जनसुनवाई में कलेक्टर शिवम वर्मा को शिकायत की है। मामला सरकारी होलकर साइंस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. एसएल गर्ग के परिवार का है। उन्होंने बताया कि जून 2019 में मदरहुड हॉस्पिटल में पोती अबिरा का जन्म हुआ था। उस दौरान इलाज डॉ. नीरजा पुराणिक द्वारा किया जा रहा था। आरोप है कि डिलीवरी के दौरान ऑक्सीजन नहीं मिलने से पोती को एस्फिक्सिया नामक गंभीर बीमारी हो गई। इसमें डॉ. पुराणिक और अस्पताल प्रबंधन की घोर लापरवाही रही। न वह खा सकती न बोल सकती., न उठ सकती है और न ही बैठ सकती है। छह साल से उसकी वैसी ही हालत है। उन्होंने डेढ़ साल पहले कलेक्टर को कहा था कि जांच के लिए मेडिकल बोर्ड बनाया जाए ताकि क्रिमिनल केस भी दायर तक सके। 15 माह हो चुके हैं लेकिन मेडिकल ऑफिसर ने हमें रिपोर्ट नहीं दी है। स्वास्थ्य विभाग अब तक जांच पूरी नहीं कर सका है। वे 9 करोड़ के हर्जाने के लिए सिविल कोर्ट भी दायर कर चुके हैं। डॉ. गर्ग ने आरोप लगाया कि जांच को जानबूझकर टालने के लिए इसे अनावश्यक रूप से मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। जांच को मेडिकल कॉलेज भेजने की कोई जरूरत नहीं थी। इससे प्रक्रिया लंबी हो गई और कोई गति नहीं है। जांच लंबित होने के कारण हम आगे की कानूनी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं।

जेल से आते ही सपना गुरू पर एक और एफआईआर

इंदौर। इंदौर में किन्नर विवाद काफी गहराया हुआ है। सपना और सीमा के बीच चल रही वर्चस्व की लड़ाई में कई किन्नर आमने-सामने आ गए थे। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। अक्टूबर 2025 में करीब दो दर्जन किन्नरों ने फिनायल पी लिया था। इस मामले में सपना गुरु और उसके साथी राजा पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया था। इसी बीच एक सप्ताह पहले सपना को सभी मामलों में जमानत मिल गई।

राजा हत्याकांड- गार्ड और बिल्डिंग मालिक दोषमुक्त

कॉन्ट्रैक्टर शिलोम के साथ सोनम का बैग ठिकाने लगाने का आरोप था, पुलिस की थ्योरी पड़ी कमजोर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में कोर्ट ने दो आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। गार्ड बलवीर सिंह अहिरवार और बिल्डिंग मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर को सबूतों के अभाव में छोड़ा गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने इन्हें सबूत मिटाने के आरोप में गिरफ्तार किया था, लेकिन डिटेल्ड जांच के बाद हत्या से उनका कोई सीधा संबंध सामने नहीं आया।

पुलिस के मुताबिक राजा की हत्या के बाद आरोपियों द्वारा सबूत छिपाने की आशंका के आधार पर शुरूआती कार्रवाई की गई थी। जांच में सामने आया कि हत्या के बाद सोनम और विशाल चौहान लसूड़िया स्थित एक बिल्डिंग में रुके थे। यह बिल्डिंग शिलोम जेम्स के किराए की बताई गई थी, जिसे ब्रोकर के जरिए लिया गया था। रूम का एग्रीमेंट विशाल के नाम पर हुआ था। बिजली बिल और अन्य तकनीकी तथ्यों की जांच के बाद पुलिस को आरोपियों की संलिप्तता के ठोस सबूत नहीं मिले। शिलॉन्ग की ईस्ट खासी हिल्स के एसपी विवेक सिएम ने बताया कि शुरूआती परिस्थितियों और मिली जानकारियों के आधार पर गिरफ्तारी की गई थी। बाद में जांच और वेरिफिकेशन में उनकी भूमिका साबित नहीं हो सकी। इसी कारण दोनों को दोषमुक्त कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी और राज कुशवाह सहित अन्य आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

शिलॉन्ग में खाई में मिला था राजा का शव

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की 11 मई को सोनम के साथ शादी हुई थी। 20 मई को राजा और सोनम हनीमून के लिए इंदौर से मेघालय रवाना हुए थे। 22 मई को दोनों सोहरा की यात्रा पर निकले थे। उन्होंने एक एक्टिवा भी किराए पर ली थी। 24 जून को राजा-सोनम से परिवार का संपर्क टूट गया था। 27 मई से दोनों की सर्चिंग शुरू की गई। 29 मई को तेज बारिश के कारण सर्चिंग रोकनी पड़ी थी। इसके बाद 30 मई को दोबारा सर्चिंग शुरू की गई। 2 जून को खाई में राजा का शव मिला। 3 जून को राजा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि उसकी हत्या पेड़ काटने वाले हथियार से की गई थी। इसके बाद पुलिस सोनम की तलाश में जुट गई। 9 जून को सोनम यूपी के गाजीपुर स्थित एक ढाबे पर मिली थी। इसके बाद परत-दर-परत मामले में कई खुलासे हुए।

निगमायुक्त ने किया सिरपुर तालाब का निरीक्षण

तालाब के कैचमेंट और ग्रीन बेल्ट में ना हो अतिक्रमण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल बुधवार को निगम के अधिकारियों के साथ शहर की महत्वपूर्ण रामसर साइट सिरपुर तालाब पहुंचे। आयुक्त ने अधिकारियों से तालाब की वर्तमान स्थिति, संरक्षण के कामों एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने तालाब में फैली जलकुंभी को शीघ्र हटाने, कैचमेंट एरिया को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई करने, सिरपुर तालाब के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाने, तालाब में खाद्य सामग्री न डाली जाए इसलिए नागरिक को समझाइश देने के निर्देश दिए। साथ ही तालाब क्षेत्र एवं ग्रीन बेल्ट में किसी भी प्रकार की अवैध कॉलोनी अथवा अतिक्रमण को रोकने के लिए सूचना बोर्ड लगाए जाने के निर्देश भी दिए। आयुक्त ने सिरपुर तालाब परिसर में स्थित इंटरप्रिटेशन सेंटर एवं 20 एमएलडी क्षमता के एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) का भी निरीक्षण किया। एसटीपी प्लांट में स्थापित स्काडा सिस्टम, लैब सहित संपूर्ण प्लांट की कार्यप्रणाली को भी देखा। उन्होंने एसटीपी परिसर एवं आसपास व्यापक पौधारोपण करने तथा प्लांट से प्राप्त ट्रीटेड वाटर का उपयोग ड्रिप सिंचाई के माध्यम से पौधों में करने के निर्देश दिए। बता दें कि सिरपुर तालाब के समीप निर्मित 20 एमएलडी क्षमता के एसटीपी प्लांट से वर्तमान में शहर के 14 उद्यानों एवं 10 हाइड्रेंट को रि-यूज वाटर की आपूर्ति की जा रही है। एसटीपी प्लांट का शेष कार्य पूर्ण होने के बाद इसे पूर्ण क्षमता के साथ संचालित किया जाएगा।

आवश्यकता
केयर इंटरप्राइजेस
(इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर हाउस)
उज्जैन में प्रोडक्ट बेस्ड माइक्रोफाइनेंस (No cost EMI) में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है:-
फील्ड स्टाफ:- लड़के/ लड़की,
पद:- 6 योग्यता :- 12वीं पास
सैलरी :- 15000 + इंसेंटिव+ पेट्रोल खर्च + मोबाइल खर्च
नोट- केवल फील्ड करने के इच्छुक व्यक्ति ही आमंत्रित हैं !
दुकान पर काम करने वाले लड़कों की आवश्यकता है -
2 पद : सैलरी 8000/-
स्थान:- 33, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, पंचमपुरा, दो तालाब के पास, उज्जैन
इंटरव्यू में अपना रिज्यूम मय फोटो लाना अनिवार्य है।
इंटरव्यू दिनांक - 8/02/2026 रविवार, समय - 12 से 4 बजे
Mob. 6265895202 , 8224800652 , 9098281324

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

कैलाश ॐ शिव शंकर यात्रा प्राइवेट लिमिटेड
7/1 परदेशीपुरा, मैन रोड, इंदौर
9302065100 - 9827072550 - 9589614200
एक धाम जगन्नाथपुरी, गंगासागर, कोलकाता यात्रा विवरण
यात्रा सुविधाएं
- दो समय भोजन, एक समय चाय नाश्ता
- टूर गाइड सुविधा
- आवास हेतु (Non AC) 4 बेड वाले रूम की सुविधा
- टेम्पो ट्रैवलर अथवा बस द्वारा भ्रमण
- आने जाने की स्लीपर ट्रेन टिकट
यात्रा प्रस्थान - 11, 25 मार्च 8,17,29 अप्रैल 2026
- प्रथम दिवस : इंदौर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान पुरी हेतु दोपहर 3 बजे
- दूसरा दिन : पुरी आगमन, रात्रि विश्राम पुरी
- तीसरा दिन : समुद्र स्नान, जगन्नाथ मंदिर दर्शन सिंह द्वार एवं कोणार्क सूर्य मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर रात्रि विश्राम ट्रैन अथवा स्लीपर बस में
- चौथा दिन: कलकत्ता आगमन गंगासागर में सागर स्नान, कपिल मुनि मंदिर दर्शन रात्रि गंगासागर
- पांचवा दिन :कालीमाता मंदिर, विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज
- छठा दिन :कलकत्ता से वापसी ट्रेन
इस यात्रा के अंत में जो यात्री नेपाल काठमांड बनारस यात्रा करना चाहेंगे उनके लिए 6000 रु प्रति सवारी अतिरिक्त
यात्रा शुल्क 15,500 प्रति सवारी
3 सी यात्रा (एसी होटल एवं गाड़ी सहित) किराया 22,500 रु प्रति सवारी

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य , भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

जय माता दी
नाकोडा हिल्स कॉलोनी देवास रोड पर 20X60 पश्चिम दिशा का रजिस्ट्री करा हुआ पूर्ण वैध प्लाट खरीदने के लिए संपर्क करें।
संपर्क करें
मो. 6262369656

महिला कारीगर की आवश्यकता है
हैंडमेड ज्वैलरी बनाने हेतु शीघ्र 4 महिला कारीगर की आवश्यकता है।
समय :- 2 से 7 बजे तक (3 से 4 घंटे रोज)
वेतन:- कार्य करने पर निर्भर (10 हजार+)
ऐसी महिला कारीगर की आवश्यकता है जो एंब्रॉयडरी, सिलाई, बुनाई जैसे काम में कार्यरत हो।
कॉल 7424877834
संपर्क सुबह 10 से शाम 6 तक केवल

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर | हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिकड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

आवश्यकता है
(1) अमूल आइसक्रीम में सेल्समैन एवं डिलेवरी मैन की
कार्य समयः दोपहर 12 से शाम 6
(2) पेपर काउंटर संभालने वाले की जिसको एकाउंट का ज्ञान हो
कार्य समयः सुबह 4 से सुबह 8 (4 घंटे)
बागड़िया न्यूज एजेंसी
121 सेंट्रल कोतवाली के सामने उज्जैन
9425332161

खुश खबर खुश खबर खुश खबर
उज्जैन व्यापार मेला
आइये और पाइये वर्ष 2026 की सबसे बेहतरीन डील
आर.टी.ओ. टैक्स पर 50% की छूट
इसके अलावा और भी अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए आज ही अपनी मारुती सुजुकी कार मॉडल तय कर बुक करें,
मेले का लाभ वाहन उपलब्ध होने पर ही दिया जायेगा, तो आज ही अपना वाहन बुक करे और मेले का लाभ प्राप्त करे।
युग कार्स (मारुति शो-रुम)
नागझिरी देवास रोड, उज्जैन
मोबाइल: 7389901262, 9755510100, 9752530200
मारुति ऑउटलेट उज्जैन तहसील
नागदा : नागदा बाईपास जावरा रोड 9009140508
तराना : तोतला मार्ग 9589090827
बड़नगर : रुनिजा रोड 9993566820
महिदपुर : घोंसला रोड, नारायण सिंह सोलंकी 9109107176
खाचरौद : पटेल नगर बड़नगर रोड 9993566910
घट्टिया : जगोटी रोड के पास, आगर रोड 8959600100
इंगोरिया : उज्जैन - नागदा रोड, इंगोरिया 9340294804

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapressind@gmail.com